website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 अंक : 119 पेज: 8 जयपुर, गुरवार, 09 अप्रैल 2026 मूल्य: 1.50 रुपये

ईरान संग युद्धविराम

ट्रंप-नेतन्याहू ने दो हफ्ते की रोक पर सहमति जताई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्तों के लिए युद्धविराम पर सहमति बन गई है, जिसे इजराइल ने भी समर्थन दिया है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत कर इस समझौते को अंतिम रूप देने में अहम भूमिका निभाई। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह फैसला ऐसे समय में लिया जब अमेरिका ने ईरान पर संभावित सैन्य हमलों को रोकने और होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए दो सप्ताह का समय देने का निर्णय किया। ट्रंप ने कहा कि यदि ईरान इस समुद्री मार्ग को सुरक्षित रूप से खोलने पर सहमत होता है, तो अमेरिका हमले रोक देगा। ईरान ने इस

प्रस्ताव को कुछ शर्तों के साथ स्वीकार किया है। उसने कहा कि यदि हमले बंद रहते हैं, तो वह भी अपनी गतिविधियों को सीमित करेगा और जलडमरूमध्य में सुरक्षित आवाजाही की अनुमति देगा। इस कदम को क्षेत्र में तनाव कम करने और हालात को स्थिर करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। व्हाइट हाउस के अनुसार, इजराइल ने भी इस दो हफ्ते की रोक का समर्थन किया। ट्रंप प्रशासन ने इसे सैन्य अभियानों के बाद अपनाई गई रणनीति का हिस्सा बताया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा, "यह अमेरिका की जीत है, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप और हमारी सेना ने संभव बनाया है।" इस दो हफ्तों के युद्धविराम का मकसद आगामी वार्ताओं के दौरान एक व्यापक समझौते को अंतिम रूप देने के लिए समय मिलना है। अमेरिकी अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि इस अभियान और वार्ता से जुड़ी विस्तृत जानकारी जल्द साझा की जाएगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने इजराइल के नेतन्याहू और पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर से भी इस मुद्दे पर चर्चा की, ताकि क्षेत्रीय स्थिरता और सामरिक संतुलन बनाए रखा जा सके। इस समझौते के बाद तेल बाजार में भी राहत का माहौल बना है और कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। यह कदम क्षेत्र में तनाव कम करने, समुद्री मार्गों को सुरक्षित करने और व्यापक रणनीतिक वार्ता को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मुद्रा योजना के 11 साल पूरे, पीएम मोदी ने स्वरोजगार और आत्मनिर्भर भारत को बताया मजबूत आधार

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के 11 वर्ष पूरे होने पर इसकी सफलता की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह योजना युवाओं को स्वरोजगार के अवसर देने में बेहद प्रभावी साबित हुई है और इससे आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूती मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 11 वर्ष पहले शुरू की गई इस योजना ने लाखों युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना इस बात का प्रमाण है कि सही अवसर मिलने पर व्यक्ति न केवल आत्मनिर्भर बन सकता है, बल्कि देश की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

संस्कृत सुभाषित के जरिए दिया संदेश

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर एक संस्कृत सुभाषित साझा करते हुए लिखा— "आत्मज्ञानं समारम्भस्तितिक्षा धर्मनित्यता।
यमर्था नापकर्षन्ति स वै पण्डित उच्यते॥"

उन्होंने इस सुभाषित का अर्थ बताते हुए कहा कि जो व्यक्ति अपनी योग्यता को समझता है, आत्मनिर्भर होकर कार्य करता है, विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखता है और सदाचार का पालन करता है, वही सच्चा बुद्धिमान होता है। ऐसे व्यक्ति को लोभ अपने मार्ग से विचलित नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुद्रा योजना के माध्यम से देश में उद्यमिता को बढ़ावा मिला है और इससे आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को नई दिशा मिली है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में यह योजना और अधिक लोगों को सशक्त बनाकर राष्ट्र की प्रगति को गति देगी।

'TMC को दो टूक...' पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले चुनाव आयोग का सख्त संदेश

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट जारी कर सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को सीधे तौर पर चेतावनी देते हुए साफ कहा कि इस बार चुनाव "भय रहित, हिंसा रहित और पूरी तरह निष्पक्ष" होंगे। आयोग का यह बयान ऐसे समय में आया है जब राज्य में चुनावी माहौल गरम है और राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

चुनाव आयोग का सख्त संदेश और TMC पर सीधा इशारा

निर्वाचन आयोग ने अपनी पोस्ट में स्पष्ट शब्दों में कहा कि पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव किसी भी प्रकार की धमकी, हिंसा, प्रलोभन या बूथ कैप्चरिंग से मुक्त होंगे। खास बात यह रही कि आयोग ने सामान्य दिशा-निर्देशों के बजाय सीधे तृणमूल कांग्रेस का नाम लेकर चेतावनी दी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, आयोग का यह रुख इस बात का संकेत है कि वह राज्य में निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त सख्ती बरतने जा रहा है। पश्चिम बंगाल का चुनावी इतिहास अक्सर हिंसा और धांधली के आरोपों से जुड़ा रहा है, जिसे देखते हुए यह बयान अहम माना जा रहा है।

TMC-ECI टकराव और मतदाता सूची विवाद

हाल के दिनों में तृणमूल कांग्रेस और चुनाव आयोग के बीच मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (SIR) को लेकर विवाद गहरा गया है। TMC का आरोप है कि आयोग विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के दबाव में काम कर रहा है और जानबूझकर मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात कर इस मुद्दे को उठाया। इस प्रतिनिधिमंडल में डेरेक ओ'ब्रायन, सागरिका घोष और साकेत गोखले शामिल थे। TMC ने दावा किया है कि राज्य में करीब 60 लाख मतदाताओं को जांच के दायरे में रखा गया, जिनमें से लगभग 27 लाख नाम हटाए जा चुके हैं। पार्टी का आरोप है कि यह कदम चुनाव को प्रभावित करने की साजिश का हिस्सा है।

चुनाव कार्यक्रम और बढ़ता राजनीतिक तापमान

पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को दो चरणों में मतदान होगा, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी। चुनाव आयोग के सख्त रुख और TMC के आरोपों के बीच राज्य में सियासी माहौल लगातार गरम होता जा रहा है। आने वाले दिनों में यह टकराव और तेज होने के संकेत हैं, जिससे चुनावी प्रक्रिया पर देशभर की नजरें टिकी हुई हैं।

ईरान पर ट्रंप के संकेत से तेल बाजार को राहत

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा बयान के बाद वैश्विक तेल बाजार में राहत देखने को मिली है। ईरान पर संभावित सैन्य हमलों को दो सप्ताह के लिए टालने के संकेत मिलते ही कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गईं। यह गिरावट होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बने तनाव के बीच आई, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है। ट्रंप के बयान के बाद शेयर बाजारों में भी तेजी आई और निवेशकों ने इसे सकारात्मक संकेत माना। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि स्थिति अभी पूरी तरह स्थिर नहीं है और यह युद्धविराम ईरान के रुख पर निर्भर करेगा। भारत जैसे तेल आयातक देशों के लिए कीमतों में गिरावट राहत भरी है, जिससे महंगाई और अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर पड़ सकता है।

असमय बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को त्वरित राहत, सीएम योगी ने दिए सख्त निर्देश

यूपी। उत्तर प्रदेश में असमय बारिश, ओलावृष्टि और कुछ स्थानों पर आगजनी के कारण रबी फसलों को हुए नुकसान के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। बुधवार सुबह हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित किसानों को तुरंत, पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से राहत प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक प्रभावित किसान और बटाईदार के नुकसान का सटीक और निष्पक्ष आकलन कर समयबद्ध तरीके से क्षतिपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके लिए राजस्व, कृषि और अन्य संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर जल्द सर्वे रिपोर्ट शासन को भेजी जाए, ताकि राहत वितरण में कोई देरी न हो। सीएम योगी ने फसल बीमा दावों के शीघ्र निस्तारण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे किसानों से स्वयं संपर्क करें और उन्हें बीमा योजनाओं का लाभ दिलवाएं, जिससे अधिकतम राहत सुनिश्चित हो सके। इसके अलावा, राज्य आपदा राहत कोष से प्रत्येक जिले को पर्याप्त धनराशि तुरंत उपलब्ध कराई जाए और जिलाधिकारी प्रभावित किसानों को पारदर्शी तरीके से सहायता प्रदान करें। आवश्यकता पड़ने पर राहत शिविर भी स्थापित किए जाएंगे। अग्निकांड पीड़ितों के मामले में मुख्यमंत्री ने कहा कि जनहानि और पशुहानि की स्थिति में 24 घंटे के भीतर राहत राशि प्रदान की जाए। पात्र लाभार्थियों को कृषक दुर्घटना बीमा योजना का लाभ भी शीघ्र उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन परिवारों के घर क्षतिग्रस्त या नष्ट हुए हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राहत और पुनर्वास कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। सीएम योगी ने यह भरोसा दिलाया कि प्रदेश सरकार इस कठिन समय में हर किसान, कृषक परिवार और बटाईदार के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह कदम राज्य सरकार की किसानों के प्रति प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता को दर्शाता है।

'मोदी को झटका, 56 इंच का सीना...' अमेरिका-ईरान सीजफायर पर कांग्रेस का हमला

नई दिल्ली । अमेरिका और ईरान के बीच हुए दो सप्ताह के युद्धविराम समझौते पर कांग्रेस की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए इस मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुए इस सीजफायर का दुनिया सावधानीपूर्वक स्वागत करेगी, लेकिन इसमें पाकिस्तान की भूमिका कई गंभीर सवाल खड़े करती है।

पाकिस्तान के रोल और विदेश नीति पर उठाए सवाल

जयराम रमेश ने अपने बयान में कहा कि युद्धविराम में पाकिस्तान की भूमिका प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति के लिए बड़ा झटका है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने की नीति सफल नहीं रही है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर कमजोर करने के प्रयास अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाए। साथ ही उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का जिक्र करते हुए कहा कि मुंबई हमलों के बाद जिस तरह की कूटनीतिक सफलता मिली थी, वैसा असर अब देखने को नहीं मिल रहा है।

'ऑपरेशन सिंदूर' और बयानबाजी पर तीखा हमला

कांग्रेस सांसद ने 10 मई 2025 को कथित "ऑपरेशन सिंदूर" को अचानक रोकने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने कभी स्पष्ट नहीं किया कि यह फैसला क्यों लिया गया। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले का श्रेय अमेरिकी नेतृत्व लेता रहा है, जो भारत की स्थिति को कमजोर करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि "स्वघोषित विश्वगुरु" की छवि अब कमजोर पड़ रही है और 56 इंच के सीने वाला दावा भी अब सवालों के घेरे में है।

प्रियंका गांधी वाड्रा की प्रतिक्रिया

अमेरिका-ईरान युद्धविराम पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने ईरान के लोगों की सराहना करते हुए कहा कि नफरत, गुस्सा, हिंसा और अन्याय कभी नहीं जीतते, बल्कि साहस हमेशा जीतता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरानी जनता ने मुश्किल हालात में भी एकजुटता और हिम्मत का परिचय दिया है, और दुनिया अब वैश्विक राजनीति के असली चेहरे को समझ रही है।

युद्धविराम पर भारत का पहला बयान, 'संवाद से ही संभव है स्थायी शांति'

नई दिल्ली । अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के ऐलान के बाद भारत सरकार की पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है। विदेश मंत्रालय भारत ने बुधवार को बयान जारी कर इस कदम का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि इससे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की दिशा में सकारात्मक माहौल बनेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' के जरिए इस सीजफायर की घोषणा की थी। इसके बाद भारत समेत कई देशों ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि भारत शुरू से ही संवाद और कूटनीति के माध्यम से विवाद सुलझाने का पक्षधर रहा है। मंत्रालय ने दोहराया कि मौजूदा संघर्ष को समाप्त करने के लिए तनाव कम करना और बातचीत को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी है। भारत ने इस दौरान चले संघर्ष में हुए नुकसान पर भी चिंता व्यक्त की। मंत्रालय के अनुसार, इस जंग के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार नेटवर्क प्रभावित हुए, जिससे आम लोगों को भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। भारत ने विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य का उल्लेख करते हुए कहा कि उम्मीद है अब इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक व्यापार फिर से सामान्य हो सकेगा। इसके साथ ही, भारत सरकार ने ईरान में मौजूद अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने सभी भारतीयों को सलाह दी है कि वे दूतावास के संपर्क में रहें और उसकी ओर से बताए गए सुरक्षित रास्तों का इस्तेमाल करते हुए जल्द से जल्द देश छोड़ दें। भारत ने इस युद्धविराम को शांति की दिशा में एक अहम कदम बताते हुए उम्मीद जताई है कि आने वाले समय में यह समझौता क्षेत्र में स्थिरता और वैश्विक संतुलन को मजबूत करेगा।

बिहार की हेल्थ व्यवस्था पर तेजस्वी यादव का हमला, NDA सरकार को घेरा

पटना। बिहार में सियासी बयानबाजी एक बार फिर तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक वीडियो शेयर करते हुए दावा किया कि सरकारी अस्पतालों की हालत बेहद खराब हो चुकी है। तेजस्वी यादव ने अपने पोस्ट में लिखा कि बिहार का स्वास्थ्य विभाग "अमंगल दोष" से ग्रसित होकर नरक जैसी स्थिति में पहुंच गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कहीं डॉक्टर नहीं हैं, कहीं दवाइयों की कमी है, तो कहीं मरीजों के लिए बुनियादी सुविधाएं जैसे बेड और व्हीलचेयर तक उपलब्ध नहीं हैं।

'अस्पताल नहीं, रेफरल सेंटर बन गए हैं'

तेजस्वी यादव ने कहा कि हालात इतने खराब हैं कि मरीजों को मजबूरी में साइकिल, स्कूटर या चारपाई के सहारे अस्पताल लाना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी अस्पताल अब इलाज के बजाय रेफरल पॉइंट बन गए हैं, जहां से मरीजों को निजी अस्पतालों में भेज दिया जाता है। उन्होंने नीतीश कुमार की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिना डॉक्टर, नर्स और स्टाफ के सिर्फ इमारत खड़ी कर देने से स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर नहीं होतीं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अस्पतालों के निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ है और बिना पर्याप्त स्टाफ के ये भवन बेकार साबित हो रहे हैं।

वायरल वीडियो को लेकर बढ़ा विवाद

यह पूरा मामला गया जिले के अनुग्रह नारायण सिंह मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल से सामने आए एक वायरल वीडियो के बाद गरमाया है। वीडियो में दावा किया गया कि स्ट्रेचर नहीं मिलने पर एक बुजुर्ग महिला को स्कूटी से अस्पताल ले जाया गया। तेजस्वी यादव ने इसी वीडियो को शेयर करते हुए सरकार पर सवाल उठाए और कहा कि सत्ता में बैठे लोग गरीबों की तकलीफ नहीं समझ रहे हैं।

सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप

तेजस्वी यादव ने कहा कि जब वे स्वास्थ्य मंत्री थे, तब 17 महीनों में कई सुधार किए गए थे, लेकिन मौजूदा सरकार ने उन सभी प्रयासों को खत्म कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि अब स्वास्थ्य व्यवस्था "दलालों और मेडिकल माफिया" के हवाले हो चुकी है। इस मुद्दे पर बिहार की राजनीति गरमा गई है और आने वाले दिनों में इस पर और तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल सकती है।

क्या 6 महीने और मुख्यमंत्री रह सकते हैं नीतीश कुमार? करीबी मंत्री का बड़ा बयान

पटना। बिहार की राजनीति में इन दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। चर्चा है कि राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के बाद वे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। हालांकि इन कयासों के बीच उनकी ही पार्टी के वरिष्ठ नेता और मंत्री श्रवण कुमार ने बड़ा बयान देकर स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की है। श्रवण कुमार ने कहा कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार कोई भी व्यक्ति राज्यसभा का सदस्य बनने के बाद भी छह महीने तक मुख्यमंत्री पद पर बना रह सकता है। ऐसे में यह मान लेना कि नीतीश कुमार तुरंत इस्तीफा दे देंगे, सही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि नीतीश कुमार अपने राजनीतिक फैसले खुद लेते हैं और अपने तरीके से ही आगे बढ़ते हैं। इसलिए यह कहना मुश्किल है कि वे कब इस्तीफा देंगे या आगे क्या निर्णय लेंगे। फिलहाल उन्होंने

विधान परिषद से इस्तीफा दे दिया है, लेकिन राज्यसभा शपथ और आगे की रणनीति को लेकर स्थिति साफ नहीं है। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि नीतीश कुमार कब दिल्ली जाएंगे या राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। हालांकि, अगर वे चाहें तो शपथ लेने के बाद भी मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं। इस बीच, उनके बेटे निशांत कुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग पर भी प्रतिक्रिया सामने आई है। श्रवण कुमार ने कहा कि इस तरह की मांग में कुछ भी गलत नहीं है, क्योंकि निशांत एक शिक्षित और सक्षम युवा हैं। हालांकि, अंतिम फैसला पार्टी नेतृत्व और नीतीश कुमार पर ही निर्भर करेगा। फिलहाल इस पूरे घटनाक्रम को लेकर बिहार की राजनीति में चर्चाओं का दौर जारी है और आने वाले दिनों में स्थिति और स्पष्ट हो सकती है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

दोनों पक्षों में अविश्वास की खाई बहुत बढ़ गई है

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने पूरी दुनिया को एक बार फिर अस्थिरता के मुहाने पर ला खड़ा किया है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ती तल्ख़ी केवल दो देशों का विवाद नहीं रह गई है, बल्कि इसका असर वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और आम जनजीवन तक साफ़ दिखाई दे रहा है। जिस तरह से कठोर बयानबाज़ी और युद्ध की धमकियां सामने आ रही हैं, उसने दोनों पक्षों के बीच अविश्वास की खाई को और गहरा कर दिया है। अमेरिका द्वारा ईरान को "पाषाण युग में भेजने" जैसी चेतावनी और इसके जवाब में ईरान की ओर से पूरे खाड़ी क्षेत्र को तबाह करने की धमकी, यह संकेत देती है कि मामला अब केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि अहंकार और शक्ति प्रदर्शन का रूप ले चुका है। जब अंतरराष्ट्रीय संबंधों में विवेक की जगह आक्रामकता ले लेती है, तो शांति की संभावनाएं स्वतः ही कमजोर पड़ जाती हैं। इस संघर्ष का सबसे गंभीर प्रभाव ऊर्जा क्षेत्र पर पड़ा है। खाड़ी क्षेत्र, जो दुनिया के सबसे बड़े पेट्रोलियम भंडारों में से एक है, लगातार अस्थिर बना हुआ है। तेल और गैस की कीमतों में तेज़ उछाल ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया है। पेट्रोल, डीजल, एलपीजी से लेकर उद्योगों के लिए आवश्यक कच्चे माल तक सब कुछ महंगा हो गया है। इसका सीधा असर गरीब और विकासशील देशों पर पड़ा है, जहां पहले से ही आर्थिक चुनौतियां मौजूद हैं। स्थिति को और जटिल बनाता है हॉर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का अहम मार्ग है। इसके अवरुद्ध होने की आशंका ने दुनिया की जीडीपी तक को प्रभावित किया है। यदि यह संकट लंबा खिंचता है, तो वैश्विक मंदी का खतरा भी बढ़ सकता है। राजनीतिक स्तर पर भी इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के लिए यह संघर्ष घरेलू राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बन सकता है। यदि आगामी चुनावों में उन्हें झटका लगता है, तो संसद में उनके खिलाफ जांच और दबाव की स्थिति पैदा हो सकती है। इसके बावजूद, ईरान की जनता का मनोबल अभी तक कायम है, जो इस बात का संकेत है कि केवल सैन्य शक्ति से किसी राष्ट्र को झुकाना आसान नहीं होता। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या दोनों पक्ष इस बढ़ती आग को समय रहते शांत कर पाएंगे, या यह संघर्ष और व्यापक रूप ले लेगा। स्पष्ट है कि वर्तमान हालात में संवाद और कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है। यदि अहंकार पर नियंत्रण नहीं रखा गया, तो इसका खामियाजा केवल इन देशों को ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा।

युद्ध अपराधी है डोनॉल्ड ट्रंप व नेतन्याहू

ट्रंप की दुनिया में फ़ज़ीहत

तनवीर जाफ़री

नेतन्याहू के इशारों पर यह हत्याएं घने रिहायशी इलाक़ों, स्कूल्स, बाज़ार, अस्पताल, स्कूल यहाँ तक कि शरणार्थी कैम्पस में और भूख की तपिश से जूझ रहे खाद्य सामग्री लेने की लाइन में लगे असहाय लोगों पर बम व गोले बरसा कर उनकी जान लेकर की गयी हैं। यही वजह है कि नेतन्याहू पर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने युद्ध अपराध वारंट जारी किया हुआ है। नेतन्याहू पर भुखमरी को युद्ध का हथियार बनाना, जानबूझकर नागरिक आबादी पर हमला निर्देशित करना, मानवता के ख़िलाफ़ अपराध, हत्या, उत्पीड़न व अन्य अमानवीय कृत्य जैसे युद्ध अपराध शामिल हैं। आज भी नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के भगौड़े अपराधियों की श्रेणी में शामिल हैं। परन्तु युद्ध अपराधी भगौड़ा नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं देता। उल्टे इसे यहूदी-विरोधी तथा राजनीतिक साज़िश बताकर अपने युद्ध अपराध पर पर्दा डालने की कोशिश करता है। इसी युद्ध अपराधी नेतन्याहू के जाल में फंसकर राष्ट्रपति ट्रंप भी युद्ध अपराध करते जा रहे हैं। ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने की उनकी धमकी इस बात का सुबूत है कि ऐसे मानसिक रोगी राजनीतिज्ञ की जगह जेल में होनी चाहिये। दुनिया को यह सोचना पड़ेगा कि आख़िर क्या वजह है कि...

अमेरिका व इजराइल द्वारा संयुक्त सैन्य अभियान चलाकर ईरान पर थोपे गये बलात युद्ध को पांच सप्ताह बीत चुके हैं। पूरी दुनिया में अपनी फ़ज़ीहत होती देख राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने अब खिसियाहट में ईरान के आधारभूत ढांचों को नुक़सान पहुँचाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में अमेरिका ने पिछले दिनों ईरान की राजधानी तेहरान और कराज़ को जोड़ने के लिए बनाये जा रहे राजधानी के सबसे ऊँचे सस्पेंशन ब्रिज को ध्वस्त कर दिया। लगभग 1 किलोमीटर से अधिक लंबे और 136 मीटर ऊँचे इस निर्माणाधीन हाई-राइज़ ब्रिज पर पिछले दिनों अमेरिका और इज़राइल ने मिलकर दो बार एयरस्ट्राइक की। इन हवाई हमलों के परिणामस्वरूप पुल का बड़ा हिस्सा बर्बाद हो गया। इस हमले में कम से कम 8 लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हुए। इस हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इस पुल के ढहते हुए वीडियो शेयर कर ईरान को धमकी देते हुये लिखा कि डील कर लो, वरना बहुत देर हो जाएगी। उन्होंने लिखा कि अगर ईरान ने अपना रुख़ नहीं बदला तो उस देश में कुछ भी नहीं बचेगा जो कभी महान देश बन सकता था।

ट्रंप ने इस हमले को अमेरिकी सेना की ताक़त का छोटा नमूना बताया और यह संकेत दिया कि अगर ईरान डील से मना करता है तो देश के पावर प्लांट, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क आदि अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर भी अगले निशाने हो सकते हैं। इसी अमेरिका ने युद्ध की शुरुआत में 28 फ़रवरी को ही ईरान के मिनाब शहर में शजारेह तैय्येबह बालिका प्राथमिक स्कूल की ईमारत पर टॉमहॉक मिसाइल मिसाइल से हमला कर लगभग 175 लोगों को शहीद कर दिया था इनमें अधिकांश स्कूल की बच्चियां शामिल थीं। स्कूल के पास ही दवाख़ाना व अन्य नागरिक सुविधाएं भी थीं। इसी हमले के चलते न केवल ईरान ने अमेरिका को युद्ध अपराध का दोषी ठहरा दिया था बल्कि दुनिया भर में भी इसे युद्ध अपराध क़रार दिया गया। ग़ौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय क़ानून के मूल सिद्धांतों के तहत जिनेवा कन्वेंशन्स 1949 व इसके एडिशनल प्रोटोकॉल्स 1977 के अंतर्गत युद्ध में रिहाइशी इलाक़ों,स्कूलों, अस्पताल, पानी की व्यवस्था संबंधित प्लांट्स, बिजली ग्रिड,पुल जैसे बुनियादी ढांचों पर हमले सामान्यतः नहीं किए जा सकते। ये युद्ध अपराध माने जाते हैं। युद्ध में लड़ाई के दौरान सैनिकों,सैन्य लक्ष्यों और नागरिकों व नागरिक सुविधा संबंधी वस्तुओं के बीच स्पष्ट अंतर करना ज़रूरी है। परन्तु अमेरिका तो क्या उसकी शह व संरक्षण में युद्धरत इस्राइल को भी न तो मानवीय क़ानून की फ़िक्र है न ही जिनेवा कन्वेंशन्स में निर्धारित युद्ध के सिद्धांतों की। इसीलिये अपनी अपार शक्ति व सर्वोच्चता के नशे में चूर अमेरिका व उसके पिछलग्गू इजराइल द्वारा हर संभव युद्ध अपराध किया जा रहा है। गाज़ा में तो नेतन्याहू के नेतृत्व में इजराइल ने दरिन्दगी का वह इतिहास रचा है जिसने युद्ध अपराध की सभी सीमाओं को पार कर दिया है। सरकारी आंकड़े बताते है कि 7 अक्टूबर 2023 से 25 मार्च 2026 तक इजराइली सेना द्वारा 72,265 फ़िलिस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि 1,71,959 लोग घायल हुए। यहाँ तक कि 10 अक्टूबर 2025 को लागू हुये युद्धविराम के बाद भी इजराइल ने लगभग 700 लोगों को मार दिया

है। हालाँकि कुछ स्वतंत्र अध्ययन कुल मौतों का आंकड़ा 75,000 से ज़्यादा बता रहे हैं। स्वयं इजराइली सेना ने जनवरी 2026 में 70,000 मौतों का आंकड़ा स्वीकार किया था। कुल लगभग 22-23 लाख की आबादी वाले इस इलाक़े में 19 लाख से ज़्यादा लोग एक या कई बार विस्थापित हुए हैं। नतीजतन आज भी 17 लाख से ज़्यादा लोग अस्थायी विस्थापन कैंप्स में रह रहे हैं। इनमें से ज़्यादातर लोगों के घर-मकान नष्ट हो चुके हैं जिसके चलते लोग बेघर हैं। नेतन्याहू के इशारों पर यह हत्याएं घने रिहायशी इलाक़ों, स्कूल्स, बाज़ार, अस्पताल, स्कूल यहाँ तक कि शरणार्थी कैम्पस में और भूख की तपिश से जूझ रहे खाद्य सामग्री लेने की लाइन में लगे असहाय लोगों पर बम व गोले बरसा कर उनकी जान लेकर की गयी हैं। यही वजह है कि नेतन्याहू पर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने युद्ध अपराध वारंट जारी किया हुआ है। नेतन्याहू पर भुखमरी को युद्ध का हथियार बनाना, जानबूझकर नागरिक आबादी पर हमला निर्देशित करना, मानवता के ख़िलाफ़ अपराध, हत्या, उत्पीड़न व अन्य अमानवीय कृत्य जैसे युद्ध अपराध शामिल हैं। आज भी नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के भगौड़े अपराधियों की श्रेणी में शामिल हैं। परन्तु युद्ध अपराधी भगौड़ा नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं देता। उल्टे इसे यहूदी-विरोधी तथा राजनीतिक साज़िश बताकर अपने युद्ध अपराध पर पर्दा डालने की कोशिश करता है। इसी युद्ध अपराधी नेतन्याहू के जाल में फंसकर राष्ट्रपति ट्रंप भी युद्ध अपराध करते जा रहे हैं। ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने की उनकी धमकी इस बात का सुबूत है कि ऐसे मानसिक रोगी राजनीतिज्ञ की जगह जेल में होनी चाहिये। दुनिया को यह सोचना पड़ेगा कि आख़िर क्या वजह है कि उनके सलाहकारों से लेकर सैन्य विभाग के अनेक बड़े अधिकारी तक इस अवैध युद्ध का विरोध करते हुये क्योंकर इस सनकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खड़े होने के बजाये अपने इस्तीफ़े दे रहे हैं। नाटो सहित उसके कई सहयोगी देश खुलकर ट्रंप के ईरान में सैन्य हस्तक्षेप का विरोध कर रहे हैं। और आज ईरान की ताक़त व उसकी रक्षात्मक व आक्रामक शक्ति का अंदाज़ा किये बिना ईरान पर हमला बोल देने और परणामस्वरूप अमेरिका द्वारा ऐतिहासिक क्षति का सामना करने से अमेरिका के महाशक्ति होने का जो भरम टूटा है उसका ज़िम्मेदार भी ट्रंप ही है। और इसी सन्दर्भ में ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची को यह कहना पड़ा है कि अधूरे बने पुलों समेत इंफ्रास्टक्चर पर हो रहे हमले ईरानियों को सरेंडर करने के लिये मजबूर नहीं कर सकते। यह केवल अव्यवस्था में फंसे दुश्मन की हार और उस के नैतिक पतन को दिखाता है। साथ ही अरागची ने यह भी कहा कि हर पुल और ईमारत को पहले से ज़्यादा मज़बूती के साथ बनाया जायेगा।

मंथन

विवेक शुक्ला

सेहत और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे स्ट्रा

हम सब अपने पसंदीदा पेय ठंडी कॉफी, ताजा नींबू पानी या कोक को पीने के लिए स्ट्रॉ का इस्तेमाल बिना एक पल सोचे कर लेते हैं। ये हमें सुविधाजनक, साफ़-सुथरा और सुरक्षित लगता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटा-सा प्लास्टिक या पेपर स्ट्रॉ हमारी सेहत और पर्यावरण दोनों को चुपचाप नुकसान पहुंचा रहा है? इन छोटे से स्ट्रॉ का केवल कुछ मिनटों के लिए इस्तेमाल होता है, इसलिए इनसे होने वाले नुकसान की कोई चर्चा ही नहीं हो पाती है। दुनिया भर में हर दिन इस्तेमाल किए जाने वाले स्ट्रा समुद्र तट और महासागर की सफाई के दौरान सबसे आम कचरे में से एक होते हैं। अपने छोटे और हल्के आकार के कारण स्ट्रॉ की शायद ही कभी रीसाइक्लिंग होती हो। ये नदियों, समुद्रों और कचरा स्थलों (लैंडफिल) में पहुंच जाते हैं, जहां ये सैकड़ों साल तक बने रह सकते हैं। राजधानी के पर्यावरणविद और उद्यमी गुरसेव चावला कहते हैं, "भारत में हमारी बड़ी आबादी और बढ़ती कैफ़े कल्चर के कारण स्ट्रॉ का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिससे समस्या और गंभीर हो रही है।" कुछ साल पहले, दुनिया के कई हिस्सों में प्लास्टिक स्ट्रॉ पर प्रतिबंध लगना शुरू हुआ, जिसका लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद पेपर और मकई से बने प्लास्टिक के स्ट्रॉ बाज़ार में आए और उन्हें "पर्यावरण के अनुकूल" विकल्प के रूप में देखा गया, लेकिन लोगों की धारणा और वास्तविकता के बीच अंतर है। प्रख्यात चिकित्सक और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं, "कई पेपर स्ट्रॉ में रसायन होते हैं, जिन्हें 'फॉरएवर केमिकल्स' भी कहा जाता है। ये आसानी से नष्ट नहीं होते और लंबे समय तक पर्यावरण और हमारे शरीर में बने रह सकते हैं। इन्हें नष्ट करने के लिए विशेष औद्योगिक परिस्थितियों की जरूरत होती है, जो भारत के अधिकांश शहरों में उपलब्ध नहीं हैं।" प्लास्टिक स्ट्रॉ सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली एकल-उपयोग (सिंगल-यूज) वस्तुओं में से एक हैं। जब ये गर्मी, धूप या नींबू पानी जैसे अम्लीय पेय के संपर्क में आते हैं, तो ये माइक्रोप्लास्टिक नामक छोटे कण छोड़ जाते हैं। माइक्रोप्लास्टिक बहुत छोटे प्लास्टिक कण होते हैं, जो हमारे भोजन और पेय के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। प्लास्टिक में ऐसे रसायन भी होते हैं जो हमारे हार्मोन को प्रभावित कर सकते हैं और समय के साथ हमारी सेहत को तबाह करने लगते हैं। एक स्ट्रॉ भले ही नुकसानदेह न लगे, लेकिन इसके नियमित इस्तेमाल से इसका प्रभाव बढ़ता जाता है और यह एक गंभीर चिंता का कारण बन सकता है। यह दिखाता है कि केवल प्लास्टिक को किसी अन्य सामग्री से बदलना पर्याप्त नहीं है-विकल्प वास्तव में सुरक्षित और टिकाऊ होना चाहिए। यहीं पर गन्ने के बगैस से बने स्ट्रॉ एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आते हैं। बगैस का हिंदी अर्थ खोई है, जो गन्ना या ज्वार का रस निकालने के बाद बचा हुआ सूखा, रेशेदार अवशेष होता है। यह मुख्य रूप से चीनी मिलों में ईंधन, बिजली उत्पादन, कागज, लुगदी और पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग सामग्री (डिस्पोजेबल प्लेट, कप) बनाने के लिए एक नवीकरणीय स्रोत के रूप में उपयोग किया जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह भारत में आसानी से उपलब्ध है। आप इसे देश के बड़े चीनी उद्योग का उप-उत्पाद कह सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि बगास से बने स्ट्रॉ के कई फायदे हैं। जैसा कि ये पूरी तरह प्लास्टिक-मुक्त और गैर-विषैले होते हैं, इनमें हानिकारक रसायन नहीं होते और ये प्राकृतिक रूप से नष्ट हो जाते हैं और घर पर भी गल सकते हैं। ये कृषि अपशिष्ट से बनाए जाते हैं, जिससे बेकार चीज उपयोगी बन जाती है। ये रोजमर्रा के उपयोग के लिए पर्याप्त मजबूत होते हैं और पेय में कोई हानिकारक पदार्थ नहीं छोड़ते। सबसे अच्छी बात ये यह है कि बगास आधारित उत्पादों का उत्पादन पहले से ही बढ़ रहा है। पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों की बढ़ती मांग और सिंगल-यूज प्लास्टिक पर सख्त नियमों के कारण कई व्यवसाय अब ऐसे विकल्प अपनाने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आज के उपभोक्ता अधिक जागरूक हो रहे हैं। वे उन ब्रांड्स को पसंद करते हैं जो वास्तव में पर्यावरण की परवाह करते हैं। व्यवसायों के लिए सुरक्षित विकल्प अपनाने से विश्वास और ब्रांड छवि दोनों में सुधार हो सकता है। सरकारी नीतियां भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाना पर्याप्त नहीं है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि "सुरक्षित" और "कम्पोस्टेबल" किसे कहा जाए। भ्रामक दावों पर नियंत्रण होना चाहिए और कृषि अपशिष्ट का उपयोग करने वाले उद्योगों को समर्थन मिलना चाहिए। अब समय है कि हम सुविधा से आगे बढ़कर जागरूक विकल्प चुनें-एक-एक घूंट के साथ।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार है, ये उनके अपने विचार हैं।)

हम अपने भीतर अच्छा स्वास्थ्य कैसे लाएं?

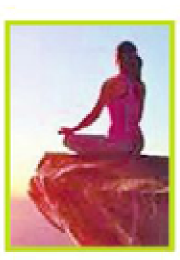

संकलित

दर्शन

क्या आप सचमुच स्वस्थ हैं? स्वास्थ्य का अर्थ है, रोग-मुक्त शरीर, कंपन-मुक्त श्वास, तनाव-मुक्त मन, संकोच-मुक्त बुद्धि, आसक्ति-मुक्त स्मृति, समावेशी अहंकार और दुःख से मुक्त आत्मा। समग्र स्वास्थ्य के लिए व्यायाम, श्वास और ध्यान का अभ्यास आवश्यक है। श्वास ही जीवन है। हमारा जीवन हमारी श्वास में है। यदि कोई श्वास नहीं ले रहा, तो इसका अर्थ है- वहां जीवन नहीं है। ध्यान, प्राणायाम और योगिक अभ्यासों का मुख्य उद्देश्य प्राण या जीवन ऊर्जा को बढ़ाना है। दरअसल प्राण भावनाओं से भी अधिक सूक्ष्म होता है। जब हम सूक्ष्म स्तर पर ध्यान देते हैं, तो स्थूल स्वतः ठीक हो जाता है। जब आप श्वास को संभालते हैं, तो शरीर स्वस्थ हो जाता है। यदि आपकी श्वास गरम, हिलती-डुलती, असमान या असहज है, तो यह रोग का संकेत है। श्वास का पैटर्न शरीर में उपस्थित विषाक्त तत्त्वों और संभावित रोगों की सूचना देता है। हमारी श्वास में अनेक रहस्य छिपे हैं। क्योंकि मन की हर भावना के साथ श्वास की एक विशेष लय जुड़ी होती है। हर लय शरीर के किसी विशेष भाग को प्रभावित करती है। जरा ध्यान से देखें। जब हम प्रसन्न होते हैं तो विस्तार का अनुभव होता है और जब दुखी होते हैं तो संकुचन का। हम इन अनुभूतियों को तो महसूस करते हैं, पर उनके बीच संबंध को नहीं पहचानते। इसलिए जब आप सीधे मन को नियंत्रित नहीं कर पा रहे हों, तो श्वास के माध्यम से मन को नियंत्रित किया जा सकता है।

जब मन हो अशांत, इष्टदेव का ध्यान करें

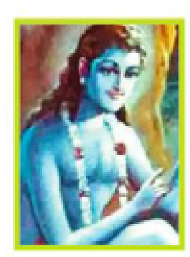

संकलित

प्रेरणा

शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।

अंतर्मन

आज की पाती

शादियों का स्वरूप बहुत बदल गया

भारत में शादी सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं बल्कि एक बड़ा सामाजिक आयोजन भी माना जाता है। यहां शादी में परिवार, रिश्तेदार, दोस्त और पूरा समाज शामिल होता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षो मे शादियो का स्वरूप बहुत बदल गया है। आजकल कई शादियां इतनी भव्य और महंगी हो गई है कि उनमे करोड़ो रुपए तक खर्च किए जाते हैं। बड़े-बड़े होटल, महंगे कपड़े, विदेशी सजावट, मशहूर कलाकारों के कार्यक्रम और कई दिनों तक चलने वाले समारोह अब आम बात हो गए है। ऐसी शादियो का सबसे बड़ा प्रभाव गरीब वर्ग पर पड़ता है। जब समाज में अमीर लोग बहुत महंगी शादियां करते है तो बाकी लोगों पर भी वैसी ही शादी करने का दबाव बनने लगता है। आर्थिक क्षमता से अधिक खर्च बोझ बन जाता है।

- सुरेश यादव, बिलासपुर

करंट अफेयर

यूक्रेन ने युद्ध के बीच बचाए गए चमगादड़ों को छोड़ा

कड़ाके की ठंड के बाद यूक्रेन के लोग युद्ध प्रभावित इलाकों से बचाए गए चमगादड़ों को अब छोड़ रहे हैं। राजधानी कीव के बाहरी इलाके मे स्थित एक नेचर पार्क में रात ढलते ही बच्चे स्वयंसेवकों के आसपास इकट्ठा हो जाते हैं, जो कपड़े के थैलों को सावधानीपूर्वक खोलकर चमगादड़ों को अंधेरे आसमान में उड़ने के लिए छोड़ते हैं। प्रत्येक चमगादड़ के हवा में उड़ान भरने पर वहां मौजूद 1,000 से अधिक लोग तालियां बजाकर उसका स्वागत करते हैं। देश के पूर्वी हिस्सों के युद्धग्रस्त क्षेत्रों से बचाए गए सैकड़ों चमगादड़ों को शनिवार देर रात यूक्रेन के विभिन्न हिस्सो मे आयोजित कार्यक्रमों के तहत छोड़ा गया, जो वसंत ऋतु के आगमन के साथ आयोजित किए गए थे।

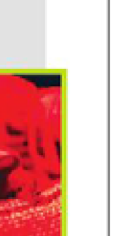

'यूक्रेनियन बैट रिहैबिलिटेशन सेंटर' की स्वयंसेवक अनास्तासिया वोवक ने कहा कि यह कार्यक्रम संगठन के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ये जीव संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची मे शामिल है और उनका संरक्षण बेहद जरूरी है। यूक्रेन मे चमगादड़ों की सभी 28 प्रजातियों को इनकी घटती संख्या के कारण संरक्षित जीवो की सूची मे रखा गया है। कई लोगों के लिए यह कार्यक्रम कड़ी सर्दियों के बाद राहत का अवसर था। सर्दियों मे शून्य से नीचे तापमान, रूस के ड्रोन और मिसाइल हमले तथा बिजली कटौती जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा था।

ऑफ बीट

हमारी दृष्टि एक-आंख वाले पूर्वज कीड़े से हुई विकसित

काफी समय से माना जाता रहा है कि इंसानो और अन्य कशेरुकी जीवों की आंखें, अकशेरुकी जीवों की आंखों से बुनियादी रूप से अलग होती हैं, क्योंकि

उनकी कोशिकाओं की संरचना और जन्म से पहले उनके विकसित होने का तरीका अलग होता है। हमारे अध्ययन से संकेत मिलता है कि हमारी आंखों की जड़ें एक ऐसे कीड़े जैसे पूर्वज से जुड़ी हैं, जो करीब 60 करोड़ साल पहले समुद्रों मे विचरण करता था। हमने पाया कि ज्यादातर जीवों मे आंखें और रोशनी महसूस करने वाली कोशिकाएं दो जगहों पर होती हैं- एक चेहरे के दोनों तरफ (जोड़ी मे) और दूसरी सिर के बीच मे, मस्तिष्क के ऊपर। हमने जिन जीवों का अध्ययन किया, उनमे चेहरे के दोनों तरफ मौजूद ये कोशिकाएं शरीर की गतिविधियों को दिशा देने मे मदद करती हैं, जबकि बीच मे मौजूद कोशिकाएं दिन और रात के फर्क के साथ-साथ ऊपर-नीचे की पहचान करने मे सहायक होती हैं। हमारे निष्कर्ष के मुताबिक, सभी कशेरुकी जीवों के कीड़े जैसे पूर्वज ने करीब 60 करोड़ साल पहले जब समुद्र की तलहटी मे बिल बनाकर स्थिर जीवन जीना शुरू किया, तो उसने दिशा नियंत्रित करने वाली अपनी जोड़ी आंखें खो दी। दरअसल, जब यह जीव एक जगह रहकर पानी से बीन-बीनकर भोजन हासिल करने लगा, तो उसे चलने-फिरने की जरूरत नही रही।

X ट्रेंड f

पाक के टुकड़े होंगे

पाकिस्तान एक बार खामियाजा भुगत चुका है। आज से 55 वर्ष पहले पाकिस्तान दो टुकड़ों मे खण्ड-खण्ड हो गया था। अगर उन्होने हमारे बंगाल की तरफ नजर उठाकर देखने की कोशिश की तो कितने टुकड़े होंगे, यह ऊपर वाला ही जानता है।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

तकनीकी उत्कृष्टता

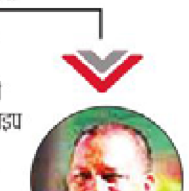

भारत परमाणु शक्ति के एक नए युग मे प्रवेश कर रहा है। कलपक्कम में प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर हमारी तकनीकी उत्कृष्टता और राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा का प्रतीक है। अपने विशाल थोरियम भंडार का उपयोग करके, भारत ऊर्जा क्षेत्र मे वर्चस्व और दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता की दिशा मे एक निर्णायक कदम उठा रहा है।

-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

स्वास्थ्य सेवा प्रणाली

नर्सें हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की आधारशिला हैं। उनका समर्पण, निस्वार्थ भाव और सहानुभूति ही परिवारों को अपने प्रियजनों को उनकी देखभाल मे सौंपने का सुरक्षित एहसास दिलाती है।

- राहुल गांधी, सांसद, सपा

शिक्षामित्रों का हक़

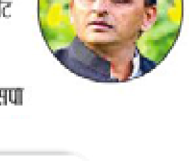

भाजपा सरकार ने 9 साल शिक्षामित्रों का हक मारा और अब बढ़ाया भी तो भी सपा सरकार से 22 हजार कम है। अब जब भाजपा सरकार का परमानेन्ट रिटायरमेंट होने वाला है तब ये शिक्षामित्रों के प्रति सहानुभूति दिखा रहे है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

रॉयल पत्रिका

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हर राज्य के लिए अलग कृषि रोडमैप और फार्मर आईडी आधारित पारदर्शी योजनाओं की रूपरेखा पेश की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को जयपुर में आयोजित रीजनल कृषि कॉन्फ्रेंस में कहा कि अब पूरे देश को विभिन्न एग्रो-क्लाइमेटिक जोनों में बाँटकर हर राज्य के लिए अलग कृषि रोडमैप तैयार किया जाएगा। सभी किसानों को फार्मर आईडी से जोड़कर खाद, बीज, फसल बीमा और मुआवजा वितरण की पूरी प्रणाली पारदर्शी और लक्षित होगी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश की पहली रीजनल कृषि कॉन्फ्रेंस में ICAR के वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विशेषज्ञ, प्रगतिशील किसान, FPOs, नेफेड, NCCF और बीज से लेकर बाजार तक काम करने वाली सभी संस्थाएँ शामिल हुई हैं। अब देश को पाँच एग्रो-क्लाइमेटिक जोनों में बाँटकर हर राज्य की जलवायु, मिट्टी, पानी और संसाधनों के आधार पर कृषि रोडमैप तैयार किया जाएगा, जिसमें तय होगा कि किस इलाके में कौन-सी फसल और कृषि पद्धति सर्वोत्तम होगी।

फार्मर आईडी से लाभ की पारदर्शी व्यवस्था

चौहान ने कहा कि फार्मर आईडी बनाने का काम तेजी से चल रहा है और लगभग तीन महीने में सभी किसानों की एकीकृत पहचान तैयार हो जाएगी। इससे खाद, बीज, फसल बीमा, फसल-क्षति मुआवजा और अन्य लाभ सीधे और सटीक रूप से किसान तक पहुँचेंगे। मध्य प्रदेश में लागू मॉडल के अनुसार किसान लाइन में खड़े नहीं होंगे और उनकी जमीन व फसल के अनुसार खाद और अन्य सुविधाएँ प्राप्त होंगी।

राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन और उत्पादन लक्ष्य

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 2024-25 में तिलहन उत्पादन 429.89 लाख टन तक पहुँच गया, जबकि उत्पादकता 1412 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हुई। 2025-26 में 1076 वैल्यू चेन क्लस्टरों के माध्यम से 13.35 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र तिलहन के अंतर्गत लाया गया, 60 बीज केंद्र और 400 तेल मिलें स्थापित की गईं। लक्ष्य है कि तिलहन का क्षेत्र 29 मिलियन हेक्टेयर से बढ़कर 33 मिलियन हेक्टेयर, उत्पादकता 1353 से 2112 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर और कुल उत्पादन 39.2 से 69.7 मिलियन टन तक बढ़ाया जाए।

दलहन मिशन: बीज, दाल मिलें और 100% खरीद

चौहान ने कहा कि दलहन मिशन के तहत अरहर, उड़द, मसूर आदि दालों के लिए गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन बढ़ाया जाएगा। नई दलहन किस्मों को शीघ्रता से सीड चेन में लाने पर जोर है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात के जिलों में दलहन उत्पादन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मॉडल जिलों का विकास किया जाएगा। वर्ष 2026-27 के लिए इन राज्यों को दलहन मिशन के तहत वित्तीय प्रावधान उपलब्ध कराए जाएंगे और किसानों की 100 प्रतिशत उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जाएगी।

विकसित कृषि संकल्प अभियान और इंटीग्रेटेड प्राकृतिक खेती

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत 16,000 वैज्ञानिक "लैब टू लैंड" मॉडल पर काम करेंगे। इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल में अनाज, फल, फूल, सब्जियाँ, औषधीय खेती, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मछली पालन, बकरी पालन और एग्रो फॉरेस्ट्री को बढ़ावा दिया जाएगा। प्राकृतिक खेती और मिट्टी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए किसानों को प्रीमियम बाजार भी उपलब्ध कराया जाएगा।

नकली खाद और बीज के खिलाफ कड़ा कानून

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि नकली खाद और कीटनाशकों के खिलाफ ट्रैकिंग सिस्टम बनाया जा रहा है। 1968 के पुराने कानून में मामूली जुर्माना था, अब नए कड़े कानून और सजा के लिए विचार-विमर्श चल रहा है।

गहलोत का आरोप: राजस्थान में वन स्टेट, वन इलेक्शन सिर्फ बहाना, चुनाव टालना संवैधानिक उल्लंघन

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राजस्थान में संवैधानिक संकट गहराता जा रहा है। गहलोत ने पंचायतों और नगरीय निकायों में पिछले एक साल से चुनाव न कराए जाने और वहां प्रशासकों की नियुक्ति को लेकर सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

अनुच्छेद 243E, 243U और 243K का हवाला

गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर संवैधानिक बारीकियां बताते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 243E और 243U के तहत पंचायतों और नगर निकायों का चुनाव हर पांच साल में कराना अनिवार्य है। अनुच्छेद 243K चुनाव आयोग को स्वतंत्र रूप से चुनाव कराने का दायित्व देता है। गहलोत के अनुसार, चुनाव टालना सरकार की इच्छा का मामला नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व का उल्लंघन है।

'बहानेबाजी कर रही है सरकार'

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि परिसीमन, पुनर्गठन और 'वन स्टेट, वन इलेक्शन' जैसे तर्क चुनाव टालने के बहाने हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले (Vikas Kishanrao Gawali 2021) का हवाला देते हुए कहा कि अदालत पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि इन कारणों से चुनाव नहीं टाले जा सकते।

कोर्ट ने दी थी 15 अप्रैल की डेडलाइन

गहलोत ने बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट ने 439 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए 15 अप्रैल 2026 को चुनाव की अंतिम समयसीमा तय की थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे बरकरार रखा। इसके बावजूद चुनाव टलने पर गहलोत ने नागरिकों के मताधिकार को एक साल तक रोकना दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया।

विकेंद्रीकरण की भावना को कुचलने का आरोप

गहलोत ने 73वें और 74वें संविधान संशोधन के तहत जनता को मिले स्थानीय स्वशासन के अधिकार को कुचला जा रहा बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि लोकतंत्र केवल सत्ता चलाने का माध्यम नहीं है, बल्कि संविधान के प्रति जवाबदेही भी है, और राजस्थान की जनता अपने अधिकारों के हनन को बर्दाश्त नहीं करेगी।

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक

-उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण को प्राथमिकता दिए जाने के निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शासन सचिव महिला एवं बाल विकास श्रीमती पूनम, निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं वासुदेव मालावत की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में राज्य सरकार की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति पर चर्चा कर आवश्यक दिशा—निर्देश दिए गए। उन्होंने इस वित्तीय वर्ष 2026-27 में महिला एवं बाल विभाग से सम्बन्धित 11 बजट घोषणाओं का समयबद्धता से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। जिनमें से एक बजट घोषणा का क्रियान्वयन हो गया है जबकि बाकि 10 बजट घोषणाओं को भी समय पर पूरा किए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। उन्होंने इसके साथ ही संकल्प पत्र पर भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण को प्राथमिकता दिए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशिक्षित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एक आंगनबाड़ी केन्द्र का संचालन ज्यादा बेहतर ढंग से कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इससे आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों को बेहतर मिल सकती है। इसके साथ ही वहां आने वाली गर्भवति एवं धात्री महिलाओं, किशोरी बालिकाओं को भी बेहतर सेवाएं मिल सकती हैं। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिक्षा विभाग के साथ बेहतर समन्वय कर शाला पूर्व शिक्षा की गतिविधियों का सघनता से संचालन किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि किराए के भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों को राजकीय विद्यालय भवनों में संचालित करवाने हेतु कार्यवाई की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि किराए के भवनों में संचालित होने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों को बेहतर सुविधायुक्त किराए के भवनों में संचालित करवाया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाएं जैसे विद्युत,पेय जल और क्रियाशील शौचालय की उपलब्धता सुनिश्चत की जाए और इसके लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय किया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, आंगनबाडी केन्द्रों को नंदघर में विकसित किये जाने तथा अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस वित्तीय वर्ष में तय लक्ष्यों को समय पर पूरा किया जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य बन रहा 'हरियालो राजस्थान'

-5 वर्षों में 50 करोड़ पौधारोपण से राजस्थान बनेगा 'हरित प्रदेश'

-2 वर्षों में लगभग 19 करोड़ पौधारोपण से पर्यावरण संरक्षण को मिली मजबूती

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के सतत विकास के साथ हरित राजस्थान एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर राजस्थान में शर्मा के विजन से 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान' के जरिए भावी पीढ़ी के लिए प्राकृतिक संपदा में बढ़ोतरी की जा रही है। इस कार्य को साकार करने के लिए मल्टी सेक्टोरल प्रोग्राम के रूप में शुरू किया गया 'मिशन हरियालो राजस्थान' अहम कड़ी साबित हो रहा है। शर्मा के दिशा-निर्देशन में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधारोपण किया जाएगा। वर्ष 2024 के मानसून में 7 करोड़ पौधारोपण के लक्ष्य से अधिक 7.22 करोड़ पौधारोपण किया गया। इसी प्रकार वर्ष 2025 के मानसून में भी 10 करोड़ पौधारोपण के लक्ष्य के मुकाबले 11.74 करोड़ से अधिक पौधारोपण किया गया। इस प्रकार पिछले 2 वर्षों में लगभग 19 करोड़ पौधारोपण किया जा चुका है। इस महाअभियान में विभिन्न प्रजातियों के फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधे लगाए गए हैं। इस उपलब्धि से प्रदेश में जैव विविधता का संरक्षण भी हो रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देशन में राज्य के समस्त जिला मुख्यालयों पर 'नमो नर्सरी' की स्थापना और प्रत्येक पंचायत समिति स्तर पर चरणबद्ध रूप से 'नमो वन' विकसित करने के कार्य को वन एवं पर्यावरण विभाग प्रतिबद्धता से पूरा कर रहा है। वहीं, उदयपुर, सिरोही और बांसवाड़ा में चंदन वन की स्थापना के लिए जरूरी कदम भी उठाए जा रहे हैं। इसी प्रकार शर्मा की मंशा के अनुरूप राजस्थान को हरित प्रदेश बनाने एवं पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए वर्ष 2025-26 में राज्य का पहला 'हरित बजट' भी प्रस्तुत किया गया था। मिशन हरियालो राजस्थान के तहत राजस्थान में मानसून सीजन से पहले ही पौधारोपण के लिए स्थान का चयन, फेंसिंग, खड्डे, नर्सरियों से पौधों की व्यवस्था की जाती है। जिसके पश्चात राज्य सरकार के हितधारक विभागों और जनसहभागिता से पौधारोपण के कार्य को किया जाता है। जिओ टैगिंग के माध्यम से पौधों के संधारण एवं संरक्षण के काम को भी बखूबी किया जा रहा है। जिसमें राज्य सरकार की ओर से बनाए गए वन मित्र एवं वृक्ष मित्र अहम भूमिका निभा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन से राजस्थान की धरती को हरा-भरा बनाने के लिए चलाए जा रहे इस 'मिशन हरियालो राजस्थान' ने अब जन आंदोलन का रूप ले लिया है। राज्य सरकार ने आगामी मानसून सीजन में भी 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा है।

नगर निगम ने 40 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 3 केन्टर सामान जब्त किए

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में जयपुर विकास प्राधिकरण के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुए विद्याधर नगर परशुराम सर्किल पुलिस थाने के पास, स्टेडियम के पास अग्रसेन सर्किल बियानी कॉलेज रोड, सेन्ट्रल स्पाईन नेशनल हैण्डलूम एवं वीकेआई रोड़ नं. 17 से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 40 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 3 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में जयपुर विकास प्राधिकरण के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुए विद्याधर नगर परशुराम सर्किल पुलिस थाने के पास, स्टेडियम के पास अग्रसेन सर्किल बियानी कॉलेज रोड, सेन्ट्रल स्पाईन नेशनल हैण्डलूम एवं वीकेआई रोड़ नं. 17 से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाई के दौरान 3 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 40 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

मुख्य सचिव ने ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट और विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान की तैयारियों की समीक्षा की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (GRAM) और मुख्यमंत्री विकसित ग्राम एवं शहरी वार्ड अभियान की तैयारियों का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। मुख्य सचिव ने बताया कि ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 23 से 25 मई 2026 को आयोजित किया जाएगा, जिसमें किसानों और पशुपालकों को नई तकनीक और नवाचार से अवगत कराया जाएगा। किसानों का ऑनलाइन पंजीकरण https://gram-rajasthan.in पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। बैठक में पुलिस महानिदेशक, एडीजी, सभी विभागों के सचिव, विभागाध्यक्ष, सम्भागीय आयुक्त, रेंज आईजी, जिला कलेक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे।

कृषि और पर्यावरण अभियान

मुख्य सचिव ने बताया कि 6 से 30 अप्रैल तक 'आपणो खेत, आपणो खाद अभियान' और 1 से 15 अप्रैल तक 'धरती माता बचाओ अभियान' चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य बायोफर्टिलाइजर, ऑर्गेनिक फार्मिंग और फर्टिलाइजर की कालाबाजारी रोकना है। ब्लॉक और जिला स्तर पर प्रगतिशील और स्टार्टअप करने वाले किसानों को सम्मानित किया जाएगा।

पेयजल व्यवस्था और डिग्गियों की भराई

मुख्य सचिव ने गर्मी के मौसम में पेयजल आपातकालीन तैयारियों पर जोर दिया। 3,055 हैंडपंपों का निरीक्षण किया गया और 604 खराब हैंडपंपों में से 290 की मौके पर मरम्मत की गई। इंदिरा गांधी नहर क्षेत्र में 10 अप्रैल से पहले सभी डिग्गियों को पानी से भरने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री विकसित ग्राम एवं शहरी वार्ड अभियान

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य के प्रत्येक ग्रामीण और शहरी वार्ड का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के लिए हर गांव का मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा। अभियान का व्यापक प्रचार किया जाएगा ताकि अधिकतम जनसहभागिता सुनिश्चित हो। वर्ष 2047 तक राष्ट्र को विकसित बनाने में यह अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अधिक जानकारी viksitgramshahar.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

एलपीजी वितरण और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई

मुख्य सचिव ने एलपीजी गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। हॉस्पिटल और शैक्षणिक संस्थाओं में सप्लाई 100 प्रतिशत और वाणिज्यिक क्षेत्रों में 40-60 प्रतिशत सुनिश्चित की जाएगी। ऑटो एलपीजी पंप 24 घंटे चलेंगे। पीएनजी कनेक्शन और पाइपलाइन कार्यों की फाइलों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश भी दिए गए। घरेलू एलपीजी की आपूर्ति सुचारू रूप से चल रही है और आमजन को इसकी जानकारी देने के लिए अभियान चलाया जाएगा।

सलूम्बर क्षेत्र में बच्चों की मौत का मामला

-उदयपुर संभाग में व्यापक स्तर पर रोग नियंत्रण गतिविधियां

-3600 से ज्यादा टीमों ने किया घर—घर सर्वेक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सलूम्बर जिले में बच्चों की अज्ञात बीमारी से मौत के प्रकरण को लेकर राज्य सरकार गंभीर है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सलूम्बर सहित उदयपुर संभाग के सातों जिलों में व्यापक स्तर पर आउटब्रेक नियंत्रण गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। विभाग की टीमें लगातार सर्विलांस कार्य कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि बच्चों की मौत का प्रकरण सामने आने के बाद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने तत्काल विशेषज्ञों की टीम गठित कर मामले की जांच करवाने एवं रोग नियंत्रण के लिए व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए थे। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर भी लगातार प्रभावित क्षेत्र की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। आरएनटी मेडिकल कॉलेज की टीम द्वारा मंगलवार को प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर आउटब्रेक की जांच की गई तथा प्राथमिक उपचार एवं जांच प्रोटोकॉल के संबंध में आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।राज्य स्तरीय टीम ने भी प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर विस्तृत जांच की। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि उदयपुर संभाग में करीब 3690 टीमों द्वारा 52 हजार से अधिक घरों का सर्वेक्षण किया गया, जिसमें 275 लक्षण वाले मरीज चिन्हित किए गए। इनमें से 25 मरीजों को उच्च चिकित्सा संस्थानों हेतु रेफर किया गया। इस दौरान 13 हजा से अधिक स्थानों पर सूचना, शिक्षा एवं संचार (IEC) गतिविधियां संचालित की गईं। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि सलूम्बर के झालरा ब्लॉक के सेमारी गांव में 01 चार वर्षीय बच्चे की मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि आउट ब्रेक नियंत्रण गतिविधियों के तहत मंगलवार को उदयपुर संभाग में 651 मरीजों का मौके पर ही उपचार किया गया। उन्होंने बताया कि मच्छरजनित बीमारियों पर प्रभावी रोकथाम के लिए 2,557 स्थानों पर एंटी-लार्वल गतिविधियां की गईं। क्षेत्र में 1,796 ब्लड स्लाइड्स ली गईं तथा 94 सैंपल जांच हेतु एकत्रित किए गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा रही है एवं आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। आमजन से अपील है कि किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें एवं विभाग द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सिंधी भाषा में संविधान विमोचन समारोह में विशिष्ट अतिथि होंगे

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी आगामी 10 अप्रैल को सिंधी भाषा दिवस पर नई दिल्ली के उप राष्ट्रपति भवन में भारत के संविधान के सिंधी भाषा में विमोचन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लेंगे। केंद्रीय विधि और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल ने विधानसभाध्यक्ष देवनानी को इस समारोह में विशेष आमंत्रण भेजा है। उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा 10 अप्रैल, 2026 को प्रातः 10.30 बजे नई दिल्ली के वाइस प्रेसिडेंट एनक्लेव में संविधान का सिंधी भाषा में देवनागरी और फारसी लिपियों में विमोचन किया जाएगा। समारोह का आयोजन विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग, राजभाषा खंड, प्रदेशिक इकाई द्वारा किया जा रहा है। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भारतीय संविधान के सिंधी भाषा में प्रकाशन पर प्रसन्नता व्यक्त की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि विभाजन का दंश झेलने के बाद भारत आए लाखों सिंधी समुदाय के लोगों के लिए यह अवसर अपनी भाषा के प्रति गौरवान्वित होने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अभिनंदन एवं आभार प्रकट करने का सुनहरा मौका है।

उल्लेखनीय है कि विधि और न्याय मंत्रालय विकसित भारत @ 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने और भारत सरकार की आकांक्षा को पूरा करने के लिए प्रयासशील है। इस क्रम में संविधान और विधियों को लोगों तक उनकी अपनी भाषा में पहुंचाने के प्रयासों के अंतर्गत मंत्रालय की विधायी विभाग, राजभाषा खंड, प्रादेशिक भाषा इकाई ने हाल के वर्षों में संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित भाषाओं के अनुवाद पर विशेष ध्यान दिया है। इसी प्रयास के तहत भारतीय संविधान के सिंधी भाषा संस्करण को प्रकाशित कर उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा उसका विमोचन कराया जा रहा है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयोजित मेडिकल कैम्प में 370 व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच

-नजर के चश्मे एवं कान की मशीन भी वितरित की गई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय द्वारा मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। मेडिकल कैम्प का शुभारंभ जिला एवं सेशन न्यायाधीश, जयपुर सुश्री माधवी दिनकर, ने किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय के सचिव श्रीमती पल्लवी शर्मा ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विशेष मेडिकल कैम्प का आयोजन जयपुर बार एसोसिएशन के सहयोग से सेशन कोर्ट, बनीपार्क, जयपुर परिसर में किया गया। मेडिकल कैम्प में मुख्यतः नेत्र रोग विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ, कान-नाक-गला रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, ऑर्थो विशेषज्ञ एवं दवा विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

श्रीमती पल्लवी शर्मा ने आगे बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य न्यायालय परिसर में आने वाले अधिवक्तागण, न्यायिक अधिकारीगण, न्यायिक कर्मचारीगण एवं पक्षकार आदि की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा उपलब्ध करवाना रहा। मेडिकल कैम्प में लगभग 370 व्यक्तियों का बीपी, शुगर, नेत्र जांच, श्रवण शक्ति, दांतों की जांच, आदि स्वास्थ्य जांच मशीनों से कर कैम्प का लाभ प्रदान किया गया। जिनमें 210 मरीजों की नेत्र जांच की गयी, 55 मरीजों को दंत उपचार दिया गया, 40 मरीजों को फीजियोथेरेपी प्रदान की गयी एवं हड्डी एवं दर्द रोग से संबंधित 65 मरीजों का उपचार किया गया तथा जनरल फिजिशियन द्वारा 101 मरीजों की जांच की गयी। स्वास्थ्य जांच शिविर में 125 नजर के चश्में तथा 2 मरीजों को कान की मशीन निःशुल्क वितरित किए गए। कार्यक्रम में विधिक चेतना समिति सदस्य डॉ. आशा लता, जीव ज्योति कल्याण समिति डॉ. राजकुमार केसवानी, सोमेश चन्द्र शर्मा अध्यक्ष बार संघ जयपुर, उमेश चन्द चौधरी सचिव बार संघ जयपुर, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से चिकित्सकगण, न्यायिक अधिकारीगण, न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण स्टाफ एवं पक्षकार आदि उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय चुनाव आगंतुक कार्यक्रम-2026 का शुभारंभ

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने असम, केरल और पुडुचेरी में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र अंतरराष्ट्रीय चुनाव आगंतुक कार्यक्रम (IEVP)-2026 की शुरुआत नई दिल्ली में की। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त डॉ. एस.एस. संधू और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन संस्थान में किया। मुख्य चुनाव आयुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि भारत में चुनाव लोकतंत्र का उत्सव हैं और आयोग इन्हें मिशन मोड में निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के पहले चरण में 23 देशों के 43 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, जो 8-9 अप्रैल को असम, केरल और पुडुचेरी का दौरा कर चुनाव प्रक्रिया का अवलोकन करेंगे। प्रतिनिधियों को ईवीएम के उपयोग का प्रदर्शन दिखाया गया तथा मॉक पोल के जरिए व्यावहारिक अनुभव भी दिया गया। उन्होंने तकनीकी और प्रशासनिक व्यवस्थाओं में गहरी रुचि दिखाई। दूसरे चरण में 20 अप्रैल से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु का दौरा प्रस्तावित है। यह कार्यक्रम भारत की चुनावी प्रणाली, पारदर्शिता और नवाचारों को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है।

शौर्य दिवस कार्यक्रम में बदलाव, अब 22 अप्रैल को होगा सगत सिंह राठौड़ की मूर्ति का अनावरण

Lt Gen Sagat Singh

चूरू (रॉयल पत्रिका): जिला मुख्यालय स्थित कृषि उपज मंडी में आयोजित होने वाला अमर शहीद लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम अब 21 अप्रैल के बजाय 22 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में बदलाव अपरिहार्य कारणों के चलते किया गया है, जिसकी जानकारी आयोजकों द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई है। जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने बताया कि शौर्य दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम अब 22 अप्रैल को ही संपन्न होगा। उन्होंने कहा कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजन किया जाएगा और इसमें प्रमुख अतिथि के रूप में ओम बिरला, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर के करकमलों द्वारा मूर्ति का अनावरण किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि 21 अप्रैल को पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के जन्मदिन पर प्रस्तावित संकल्प सभा का आयोजन भी अब 22 अप्रैल को ही निर्धारित समय और स्थान पर किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम को भव्य रूप देने की तैयारियां जारी हैं और इसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, सैन्य अधिकारियों तथा आमजन के शामिल होने की संभावना है।

बींझबायला में प्रतिभा सम्मान समारोह धूमधाम से आयोजित, मेधावी विद्यार्थियों को मिला सम्मान

बींझबायला (रॉयल पत्रिका): सरस्वती शिक्षण समूह, बींझबायला के तत्वावधान में सरस्वती ग्रामोत्थान विद्यापीठ उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं एस. जी. वी. कान्वेंट स्कूल का प्रतिभा सम्मान समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम उत्साह और उल्लास के साथ आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सम्मानित करते हुए शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरबंश सिंह संधू रहे, जबकि अध्यक्षता सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य सुलताना राम सिहाग ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में बलजीत सिंह, पवन स्वामी, हनुमान ज्याणी, बनवारी जी गोदारा, कुलदीप रेवाड़ तथा संस्था संरक्षक हरीश शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत के साथ हुई, जहां संस्था के डायरेक्टर सी. एल. रांका ने सभी अतिथियों का अभिनंदन करते हुए विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि हरबंश सिंह संधू ने विद्यार्थियों की उत्कृष्ट उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें अनुशासन और निरंतर मेहनत के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अध्यक्ष सुलताना राम सिहाग ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। अन्य अतिथियों ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के दौरान कक्षा 10वीं और 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। 97 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को टैब और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए, वहीं 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वालों को 5100 रुपये और स्मृति चिन्ह, 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वालों को 3100 रुपये और स्मृति चिन्ह तथा 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही एस. जी. वी. कान्वेंट स्कूल की कक्षा 5वीं और 8वीं के ए ग्रेड प्राप्त विद्यार्थियों को भी मेडल प्रदान किए गए। इस अवसर पर संस्था निदेशक अनिल खालिया ने संस्था के विजन को साझा करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नैतिक मूल्यों के महत्व पर जोर दिया। सह-प्रबंधिका लेफ्टिनेंट अन्नपूर्णा न्योल ने विद्यालय के सीबीएसई से संबद्ध होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ओमप्रकाश खुडिया ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के समापन पर बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की गांव और बाजार में भव्य विजयी रैली निकाली गई, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

'संगठन बढ़ाओ-लोकतंत्र बचाओ' अभियान को लेकर बारां में कांग्रेस की बैठक, भाजपा सरकार पर चुनाव टालने का आरोप

बारां (रॉयल पत्रिका): : राजस्थान में पंचायतीराज और नगर निकाय चुनावों को टालने के मुद्दे पर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। इसी क्रम में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर चलाए जा रहे "संगठन बढ़ाओ-लोकतंत्र बचाओ अभियान" के तहत जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय बारां में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें भाजपा सरकार के फैसले को लोकतांत्रिक परंपराओं पर प्रहार बताया गया। प्रदेशभर में 1 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक संचालित इस अभियान के अंतर्गत आयोजित बैठक की अध्यक्षता बारां जिला प्रभारी एवं पूर्व विधायक मीनाक्षी चन्द्रावत ने की। उन्होंने अपने संबोधन में आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जानबूझकर स्थानीय निकाय चुनावों को टालकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे को लेकर जनता के बीच जाएगी और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करेगी। बैठक में जिला सह प्रभारी संदीप पुरोहित ने पंचायत और नगर निकायों को लोकतंत्र की नींव बताते हुए कहा कि इन संस्थाओं को कमजोर करना जनता के अधिकारों का हनन है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और वार्ड-वार्ड जाकर अभियान को मजबूत करने और लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष हंसराज मीणा उदपुरिया ने संगठन को सशक्त बनाने पर जोर देते हुए कहा कि अभियान के तहत प्रत्येक स्तर पर संगठन का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने प्रभारियों को निर्देश दिए कि पंचायत अध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष और उनकी कार्यकारिणी का गठन आपसी समन्वय से जल्द पूरा कर सूची जिला कांग्रेस कमेटी को उपलब्ध कराई जाए। इस दौरान सेवादल के प्रदेश सचिव एवं उपाध्यक्ष डीसीसी बारां अशरफ देशवाली ने भाजपा सरकार की नीतियों को जनविरोधी बताते हुए कहा कि इन फैसलों से लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावित हो रही हैं और कांग्रेस पार्टी इस अभियान के माध्यम से जनता की आवाज बनकर उनके अधिकारों की रक्षा करेगी। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जिले के सभी नगरीय निकायों और मंडल क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जाएगा और अभियान को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। अंत में उपस्थित कांग्रेसजनों ने एकजुट होकर "संगठन बढ़ाओ-लोकतंत्र बचाओ" अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

घुमड़वाली सीआई के खिलाफ जनाक्रोश: 10 अप्रैल को थाने के घेराव का ऐलान

श्रीगंगानगर (विनोद सोखल)। पुलिस थाना घुमड़वाली के सीआई राजेंद्र चारण की कार्यप्रणाली और जनता से बदसलूकी के खिलाफ क्षेत्र में भारी रोष व्याप्त है। सीआई को तुरंत हटाने की मांग को लेकर विभिन्न संगठनों ने 10 अप्रैल को थाने के घेराव का ऐलान किया है। अखिल भारतीय किसान सभा के जिला महासचिव रविंद्र तरखान, भारतीय किसान संघ के अशोक जाखड़, सरपंच इंद्राज पूनिया, सुखवीर सिंह फौजी और पूर्व सरपंच सतपाल तरड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि सीआई स्वयं कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। उन पर चोरियों के मामले दर्ज न करने, परिवादियों को ही हवालात में डालने, धारा 151 का दुरुपयोग और अपराधियों से सांठगांठ के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ठगी के मामलों में भी घिरी पुलिस: किसान टीकूराम खिलेरी से हुई ठगी के मामले में बिना एफआईआर 15 लाख की बरामदगी और कालूराम से छीने गए 45 हजार रुपये के मामले में पुलिस की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। टीकूराम मामले में हेड कांस्टेबल महेंद्र कुमार को एसपी निलंबित कर चुके हैं, लेकिन आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक सीआई को नहीं हटाया जाता, आंदोलन जारी रहेगा। 10 अप्रैल को होने वाले प्रदर्शन को लेकर प्रशासन अब सतर्क मोड पर है।

दहेज विरोधी अभियान को मिली रफ्तार, जयपुर में बिना दहेज दो निकाह संपन्न, एपीएस टीम ने किया सम्मान

महवा (रॉयल पत्रिका): समाज में फैली दहेज प्रथा के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान अब असर दिखाने लगा है। एपीएस टीम महवा की पहल के चलते लोग दहेज जैसी कुप्रथा से दूर रहकर सादगीपूर्ण और बिना दहेज के विवाह करने के लिए आगे आ रहे हैं, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद मजबूत हुई है। एपीएस टीम महवा के संरक्षक एफ.आर. शाह के नेतृत्व में चल रहे इस जागरूकता अभियान के तहत लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जयपुर में हाल ही में दो निकाह बिना दहेज के संपन्न हुए, जो समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आए हैं। जानकारी के अनुसार बगराना (जयपुर) निवासी मोहम्मद अरसलान पुत्र मोहम्मद इब्राहिम शाह का निकाह रूबीना बानो पुत्री आमीन शाह निवासी टोडाभीम के साथ सादगीपूर्वक बिना दहेज के संपन्न हुआ। वहीं मोहम्मद अरमान पुत्र मोहम्मद इब्राहिम शाह, बगराना जयपुर का निकाह आरिफा बानो पुत्री मरहूम इशाक शाह निवासी आमागढ़, दिल्ली रोड जयपुर के साथ बिना दहेज के संपन्न हुआ। इन निकाह की जानकारी मिलने पर एपीएस टीम महवा के सदस्य आशीर्वाद समारोह में पहुंचे और वर-वधू तथा उनके परिजनों का साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया। इस अवसर पर एफ.आर. शाह ने दोनों परिवारों की सराहना करते हुए कहा कि दहेज रहित विवाह समाज को नई दिशा देने का काम करते हैं और इससे इस कुप्रथा को समाप्त करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि एपीएस टीम का उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाना है ताकि लोग दहेज जैसी बुराई से दूर रहें और बेटियों को बोझ नहीं बल्कि सम्मान समझें। यदि समाज इसी तरह आगे बढ़ता रहा तो आने वाले समय में दहेज प्रथा पूरी तरह समाप्त हो सकती है। इस मौके पर शहजाद लूनियावास, जुम्मा शाह, आलम भाई, मोहम्मद हनीफ (भट्टा बस्ती), वहीद, शेर अली (निवाई), गबरूद्दीन (प्रताप नगर), शहजाद भाई (विजयनगर विस्तार), महबूब, जुम्मा शाह (सांगानेर) और निजाम सुदरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने दहेज मुक्त विवाह करने वाले परिवारों का अभिनंदन करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया। इस दौरान विशेष रूप से यह बात भी सामने आई कि लड़की पक्ष की ओर से किसी प्रकार का भात नहीं लिया गया, जो अपने आप में एक सराहनीय और प्रेरणादायक कदम रहा।

ओलावृष्टि से नुकसान पर सक्रिय हुए पूर्व मंत्री टीटी, किसानों को राहत दिलाने के प्रयास तेज

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका): राजस्थान में हाल ही में हुई ओलावृष्टि से किसानों को हुए भारी नुकसान को लेकर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री सुरेंद्रपाल सिंह टीटी ने सक्रियता दिखाते हुए सरकार और प्रशासन के स्तर पर तेजी से कदम उठाए हैं, जिससे प्रभावित किसानों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद बढ़ी है। मंगलवार को जयपुर में विभिन्न विभागों के मंत्रियों से मुलाकात कर सुरेंद्रपाल सिंह टीटी ने अपने विधानसभा क्षेत्र में फसलों को हुए नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की और किसानों की स्थिति से अवगत कराते हुए शीघ्र राहत दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह प्राकृतिक आपदा किसानों के लिए गंभीर संकट बनकर सामने आई है और सरकार को संवेदनशीलता के साथ तत्काल सहायता उपलब्ध करानी चाहिए। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नुकसान का सही आंकलन कर जल्द से जल्द मुआवजा प्रक्रिया शुरू की जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके। इसी कड़ी में उन्होंने मंगलवार सुबह ही जिला प्रशासन से संपर्क साधते हुए जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी और तहसीलदार पदमपुर से फोन पर बात कर मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने के निर्देश दिए। उनके निर्देश पर राजस्व विभाग की टीमों का गठन कर तुरंत सर्वे कार्य शुरू कर दिया गया। वहीं, क्षेत्र में युवा नेता समनदीप सिंह भी लगातार सक्रिय नजर आए। उन्होंने जिला उपाध्यक्ष महेंद्र मंडा, मंडल अध्यक्ष प्रेम झटवाल, मंडल महामंत्री श्योप्रकाश ज्याणी, बबलू कड़वासरा और देवीलाल डूडी सहित प्रशासनिक अधिकारियों के साथ प्रभावित गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने खेतों में जाकर नुकसान का निरीक्षण किया और किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। समनदीप सिंह ने किसानों को भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में पार्टी और नेतृत्व उनके साथ खड़ा है तथा हर संभव मदद दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उधर, जयपुर में रहते हुए पूर्व मंत्री टीटी ने अन्य विभागों के मंत्रियों से भी मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को उठाया और उनके त्वरित समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। पूर्व मंत्री टीटी और उनकी टीम की सक्रियता से क्षेत्र के किसानों में राहत की उम्मीद जगी है। प्रशासन द्वारा तेज़ी से सर्वे कार्य शुरू होने के बाद मुआवजा मिलने की प्रक्रिया जल्द शुरू होने की संभावना जताई जा रही है।

शादाब रहमानी बने NSUI मांगरोल के नगर अध्यक्ष, कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह

बारां (रॉयल पत्रिका): बारां जिले में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन, NSUI ने संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए विभिन्न नगरों में नई नियुक्तियां की हैं। इसी क्रम में मांगरोल नगर में सक्रिय और समर्पित युवा शादाब रहमानी को नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति एनएसयूआई जिलाध्यक्ष कशिश धाकड़ द्वारा पूर्व मंत्री व अंता विधायक प्रमोद जैन भाया की सहमति से की गई है। संगठन के प्रति शादाब की सक्रियता और समर्पण को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। शादाब रहमानी की नियुक्ति के बाद मांगरोल नगर सहित पूरे जिले में कांग्रेस से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच खुशी का माहौल देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और युवाओं की आवाज को और मजबूती से उठाया जाएगा। नवनियुक्त नगर अध्यक्ष शादाब रहमानी ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक युवाओं को जोड़कर पार्टी की विचारधारा को मजबूत करने का प्रयास करेंगे और संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

आफ़ताब-ए-शेखावाटी दरगाह का 160वां उर्स सम्पन्न, कुल की रस्म के साथ मांगी गई अमन-चैन की दुआ

फतेहपुर शेखावाटी (रॉयल पत्रिका): ऐतिहासिक दरगाह दरगाह आफताब-ए-शेखावाटी में हज़रत ख्वाजा हाजी मुहम्मद नजमुद्दीन साहिब सुलैमानी चिश्ती अल्फारूकी रहमतुल्लाह अलैह का 160वां सालाना उर्स मुबारक आठ दिनों तक चले धार्मिक आयोजनों के बाद कुल की रस्म के साथ विधिवत सम्पन्न हो गया। उर्स के समापन अवसर पर देश में अमन, चैन और भाईचारे की दुआएं मांगी गईं। उर्स के अंतिम दिन सुबह 11 बजे दरगाह के सज्जादानशीन व मुतवल्ली पीर गुलाम नसीर की सदारत में कुल शरीफ की महफिल आयोजित हुई, जिसमें दरगाह की शाही चौकी नजमी ब्रदर्स ने रंग और मेला पढ़कर माहौल को रूहानी बना दिया। दोपहर 1 बजे कुल शरीफ की रस्म अदा की गई, जिसमें सज्जादानशीन ने फातिहा ख्वानी कर देश में शांति और सद्भाव की दुआ की। इस दौरान पीर गुलामे नज्म ने शजरा ख्वानी करते हुए जायरीन को उर्स की मुबारकबाद दी। इससे पूर्व देर रात बड़े उर्स का आयोजन हुआ, जिसमें कदीमी शाही चादर मुहल्ला चेजारान से रवाना होकर शाम 7:30 बजे दरगाह शरीफ पहुंची। यहां पीर गुलाम नसीर साहब ने चादर को अपने सर पर ग्रहण कर मुख्य मजार पर पेश किया और मुल्क में अमन-चैन की दुआ मांगी। उर्स के अवसर पर जाकिर हुसैन ने भी दरगाह में चादर पेश की, वहीं हाकम अली खान, पूर्व चेयरमैन मधु सूदन भिंडा सहित कस्बे के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। अजमेर दरगाह की ओर से सज्जादानशीन दीवान साहब के जानशीन सैय्यद नसीरुद्दीन चिश्ती ने भी दरगाह में चादर चढ़ाकर दुआएं मांगी और पीर गुलामे नज्म साहब की दस्तारबंदी की। उर्स के दौरान देर रात तक मेले में भारी भीड़ उमड़ी, जिससे झूलों और दुकानों पर रौनक का माहौल बना रहा। आठ दिनों तक चले इस धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन का समापन कुल की रस्म के साथ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जायरीन ने शिरकत कर दुआओं में हिस्सा लिया।

'ऑपरेशन नकेल' के तहत ड्रग्स तस्करों पर शिकंजा कसने की तैयारी, चूरू पुलिस ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

चूरू (रॉयल पत्रिका): शहर में बढ़ते नशे के प्रभाव को गंभीरता से लेते हुए चूरू पुलिस ने अब ड्रग्स बेचने वालों के खिलाफ 'ऑपरेशन नकेल' के तहत सख्त कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। जिला पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद ने बताया कि चूरू में चिट्टा और एमडी जैसे नशीले पदार्थों का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है, जिससे विशेष रूप से स्कूल और कॉलेज में पढ़ने वाले नवयुवक इसकी चपेट में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नशे की लत के कारण युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और कई मामलों में नशा प्राप्त करने के लिए अवैध गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा है। इससे न केवल परिवारों में तनाव बढ़ रहा है, बल्कि शहर का सामाजिक वातावरण भी प्रभावित हो रहा है और सौहार्दपूर्ण संबंधों में विघटन देखने को मिल रहा है। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे इस समस्या से निपटने में सहयोग करें। इसके लिए चूरू पुलिस द्वारा हेल्पलाइन नंबर 9950077191 जारी किया गया है, जिस पर कोई भी व्यक्ति अवैध ड्रग्स और नशे से संबंधित जानकारी साझा कर सकता है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और प्राप्त सूचनाओं के आधार पर ड्रग पैडलर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला पुलिस अधीक्षक ने कहा कि 'ऑपरेशन नकेल' का उद्देश्य शहर को नशामुक्त बनाना और युवा पीढ़ी को इस कुरीति से बचाना है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नशे के खिलाफ अभियान को व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा और इसमें आमजन की भागीदारी अहम होगी। गौरतलब है कि नशा मुक्ति से संबंधित मुद्दे पर प्रकाशित खबर के बाद पुलिस प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और अब ठोस कदम उठाने की दिशा में सक्रियता दिखाई है, जिससे आने वाले समय में इस पर प्रभावी नियंत्रण की उम्मीद जताई जा रही है।

डॉ. अंबेडकर जयंती सम्मान समारोह को लेकर कई स्थानों पर पोस्टर विमोचन, समाज में दिखा उत्साह

जालसू/रामपुरा-डाबड़ी/जाहोता (रॉयल पत्रिका): बलाई विकास समिति जयपुर मुख्यालय-चौमूं की ओर से आयोजित होने वाले डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती सम्मान समारोह को लेकर विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में जालसू, रामपुरा-डाबड़ी और जाहोता में अलग-अलग स्थानों पर पोस्टर विमोचन कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें समाज के कई गणमान्य लोग शामिल हुए और कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया गया। जालसू में आयोजित कार्यक्रम के तहत समारोह के पोस्टर का विमोचन सहसंयोजक कालूराम सामरिया द्वारा किया गया। वहीं रामपुरा-डाबड़ी में बुद्धिस्ट गोठवाल ने पोस्टर जारी कर कार्यक्रम की जानकारी दी, जबकि जाहोता में पंचायत समिति सदस्य सुनीता वर्मा द्वारा पोस्टर विमोचन किया गया। तीनों स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और जयंती समारोह को लेकर उत्साह व्यक्त किया। समिति अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार और महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने बताया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 12 अप्रैल को बलाई सभा-भवन, मोरीजा रोड, चौमूं में सम्मान समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। इस दौरान सामाजिक एकता और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। पोस्टर विमोचन कार्यक्रमों के दौरान कोषाध्यक्ष नानगराम लुणीवाल, सहसंयोजक कालूराम सामरिया, समाजसेवी लालाराम महरडा, घीसालाल बबेरवाल, शंकरलाल खंडेलवाल, प्रेमदेवी वर्मा, गोपाललाल डोई, कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण कजोड़मल बुनकर सहित कई लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा मुन्नी देवी, कमली देवी, मिंटू देवी, गीता देवी, प्रिया सामरिया, नेताराम, हनुमान बरवड़, आशीष, सोहन, मनीष, शिवांश, प्रिंस, तनु, योगेश सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और युवा भी कार्यक्रम में शामिल हुए। समाज के लोगों ने एक स्वर में कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समाज में समानता और जागरूकता लाई जा सकती है। पोस्टर विमोचन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को समारोह में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया। आयोजकों के अनुसार, इस बार जयंती समारोह को भव्य रूप देने की तैयारी की जा रही है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से समाज के लोग भाग लेंगे और इसे एक सामाजिक एकता के उत्सव के रूप में मनाया जाएगा।

कृषि पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट, 9 केंद्रों पर होंगे पुख्ता इंतजाम

चूरू (रॉयल पत्रिका): कृषि पर्यवेक्षक सीधी भर्ती परीक्षा—2026 के सफल और पारदर्शी आयोजन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार 18 अप्रैल 2026 को जिला मुख्यालय पर कुल 9 परीक्षा केंद्रों में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक एक पारी में परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसे राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा संपन्न कराया जाएगा। परीक्षा के दौरान पारदर्शिता बनाए रखने और अनुचित साधनों पर रोक लगाने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। जिला कलक्टर ने पुलिस विभाग और चूरू उपखंड अधिकारी को परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी रखने तथा नकल या अन्य अनुचित गतिविधियों को सख्ती से रोकने के निर्देश दिए हैं। साथ ही साइबर सेल को सक्रिय रखते हुए असामाजिक तत्वों पर नजर बनाए रखने को कहा गया है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों और केंद्राधीक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे परीक्षा केंद्रों पर राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2022 से संबंधित प्रावधानों के पेम्पलेट अनिवार्य रूप से चस्पा करवाएं, ताकि अभ्यर्थियों को नियमों की स्पष्ट जानकारी मिल सके। इसके अलावा जिला परिवहन अधिकारी चूरू और सुजानगढ़, तथा राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के चूरू और सरदारशहर आगार प्रबंधकों को परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए रोडवेज बसों का समुचित शेड्यूल निर्धारित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे परीक्षा के दिन आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम समय रहते पूरे किए जाएंगे।

हरलाल सहारण को मंत्री बनाने की मांग तेज, कार्यकर्ताओं में उठी आवाज

चूरू (रॉयल पत्रिका): चूरू विधायक हरलाल सहारण को मंत्री बनाए जाने की मांग अब धीरे-धीरे तेज होती नजर आ रही है। पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि लंबे समय से संगठन और क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने वाले सहारण को मंत्रिमंडल में स्थान मिलना चाहिए। स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं का मानना है कि चूरू जिले में भाजपा के छह विधानसभा क्षेत्रों में से वर्तमान में केवल हरलाल सहारण ही पार्टी के विधायक हैं, ऐसे में क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के लिहाज से भी उन्हें मंत्री पद मिलना चाहिए। सहारण को जमीन से जुड़े, अनुभवी और पार्टी के प्रति समर्पित नेता के रूप में देखा जाता है, जिन्होंने अपने राजनीतिक सफर में प्रधान, जिला प्रमुख और विधायक जैसे पदों पर कार्य करते हुए संगठन को मजबूत किया है। कार्यकर्ताओं के अनुसार सहारण की छवि स्पष्टवादी और साफ-सुथरी रही है। फर्जी टीसी प्रकरण का मामला न्यायालय में विचाराधीन है, जबकि अन्य किसी बड़े विवाद से उनका नाम नहीं जुड़ा है। उनका राजनीतिक मार्गदर्शन राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ से जुड़ा रहा है, जिनके सानिध्य में उन्होंने राजनीति में अपनी पहचान बनाई। बताया जा रहा है कि पार्टी के भीतर अब बूथ स्तर से सहारण को मंत्री बनाए जाने की मांग उठने लगी है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि सहारण हमेशा लोगों के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करते हैं, लेकिन उन्होंने स्वयं कभी मंत्री पद की मांग नहीं की। इसी वजह से अब समर्थक आगे आकर उनकी पैरवी कर रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि क्षेत्रीय संतुलन और संगठनात्मक योगदान को ध्यान में रखा जाए, तो सहारण का नाम मंत्री पद के लिए प्रमुखता से सामने आता है। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि आगामी चुनावों को देखते हुए पार्टी नेतृत्व को इस मांग पर विचार करना पड़ सकता है। हालांकि अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर निर्भर करेगा, लेकिन जिस तरह से कार्यकर्ताओं के बीच यह मुद्दा उठ रहा है, उससे साफ है कि आने वाले समय में यह राजनीतिक रूप से और अधिक महत्वपूर्ण विषय बन सकता है।

जज ने दिखाई संवेदनशीलता, घायल को खुद नीचे आकर सौंपा चेक

महवा/दौसा (रॉयल पत्रिका): जिला एवं सत्र न्यायाधीश केशव कौशिक ने मानवीय संवेदनशीलता का उदाहरण पेश करते हुए सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल भगवान सहाय को स्वयं नीचे आकर अवार्ड राशि का चेक सौंपा। प्रकरण में राजस्थान उच्च न्यायालय लीगल सर्विस कमेटी के माध्यम से राष्ट्रीय लोक अदालत में पारित निर्णय के तहत बीमा कंपनी को 16 लाख 75 हजार रुपये देने के निर्देश दिए गए थे, जिसकी राशि श्रीराम जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने जमा कराई। रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर के कारण भगवान सहाय न्यायालय कक्ष तक नहीं पहुंच सके, जिस पर न्यायाधीश स्वयं नीचे आए और वाहन में लेटे घायल को चेक प्रदान किया। इस पहल की सभी ने सराहना करते हुए इसे न्यायपालिका की संवेदनशीलता का प्रतीक बताया।

स्वच्छ भारत मिशन व ग्रामीण विकास योजनाओं पर समीक्षा, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

चूरू (रॉयल पत्रिका): स्वच्छ भारत मिशन सहित विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर बुधवार को पंचायत समिति सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार आयोजित हुई, जिसमें फील्ड स्तर पर कार्यों की प्रगति और जिम्मेदारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान बीडीओ महेन्द्र कुमार भार्गव ने कहा कि सभी फील्ड स्तरीय अधिकारी विभागीय कार्यों में पूरी मुस्तैदी रखें और निर्देशों की समयबद्ध पालना सुनिश्चित करें। उन्होंने ग्राम स्वच्छता दल के गठन पर जोर देते हुए निर्देश दिए कि संकुल प्रभारी ग्राम पंचायतवार साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। साथ ही चेतावनी दी कि स्वच्छता अभियान में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एसबीएम जिला समन्वयक श्यामलाल पारीक ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत प्रस्तावित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए नियमित सफाई, सामुदायिक स्वच्छता परिसर और पिंक शौचालयों को सक्रिय रखने पर जोर दिया। उन्होंने ग्राम पंचायतों में साफ-सफाई के साथ-साथ सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही और वर्ष 2026-27 की कार्य योजना से अवगत कराया। ब्लॉक प्रभारी सहायक विकास अधिकारी सुरेश कुमार सैनी ने कचरा परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए तकनीकी अधिकारियों की भूमिका, ग्राम पंचायतों का रूट चार्ट तय करने और कचरा संग्रहण के लिए निर्धारित स्थान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर भी बल दिया। बैठक में ब्लॉक समन्वयक राजीव कुमार ने ग्राम पंचायतवार प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस दौरान सभी सहायक विकास अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी, संकुल प्रभारी, कनिष्ठ तकनीकी सहायक और कनिष्ठ सहायक मौजूद रहे, जिन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समन्वय के साथ कार्य करने का आश्वासन दिया।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती में दस्तावेज सत्यापन जारी, 576 अभ्यर्थी पात्र, 32 प्रोविजनल पात्र घोषित

चूरू (रॉयल पत्रिका): जिला मुख्यालय पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती के तहत पात्रता जांच और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया लगातार जारी है। बुधवार को भी यह कार्य संयुक्त निदेशक चूरू रेंज के निर्देशन में सुव्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने भाग लिया। शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक कार्यालय के निर्देशन में सेठ गोपी राम गोयनका राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 11 मार्च से चल रहे इस सत्यापन अभियान में प्रतिदिन 750 अभ्यर्थियों के दस्तावेज जांच का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बुधवार को सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच की गई, जिसमें कुल 608 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 142 अनुपस्थित दर्ज किए गए। सत्यापन के दौरान 576 अभ्यर्थियों को पात्र और 32 को प्रोविजनल पात्र घोषित किया गया। सत्यापन कार्य के संचालन के लिए गठित विभिन्न समितियों में कमल सारण, बेधड़क बड़सरा, विजय धुंधवाल, शिवराज सिंह, धर्मेंद्र मुंड, गोगराज, इरफान अली, देवकरण मीणा, गरीमा चाहर, अशोक शर्मा और आरिफ खान सहित कई अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा पंजीकरण, टोकन व्यवस्था और प्रवेश प्रक्रिया का समन्वय करते हुए कार्य को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। सहायक निदेशक एवं सदस्य सचिव प्रमेंद्र शर्मा ने बताया कि विभाग द्वारा चलाए जा रहे प्रचार-प्रसार अभियान के कारण अब अभ्यर्थी अपने दस्तावेज व्यवस्थित रूप से तैयार कर लाने लगे हैं, जिससे सत्यापन कार्य पहले की तुलना में अधिक तेज गति से पूरा हो रहा है। दस्तावेज सत्यापन के बाद फाइलों के संग्रहण और डेटा फीडिंग का कार्य भी नियमित रूप से किया जा रहा है। इस प्रक्रिया में रामचंद्र जांगिड, विजय मीणा, कुलदीप कुल्हरी, नरेश मीणा, रघुवीर स्वामी, नरेश बड़सरा, प्रकाश सैनी, नितेश शर्मा, कुलदीप ढाका, मनोज वर्मा, मुकेश शर्मा, मनमोहन सैनी, विकास शर्मा और अली हसन सहित टीम द्वारा फाइलों की बारीकी से जांच कर आवश्यक सुधार और टिप्पणियों की समीक्षा की जा रही है। प्रतिदिन की रिपोर्ट ऑनलाइन माध्यम से निदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर को प्रेषित की जा रही है।

मल्टीस्पेशलिटी मेडिकल कैंप में सैकड़ों लोगों ने कराई जांच, नि:शुल्क दवाइयों से मिली राहत

कोटा (रॉयल पत्रिका): द हेल्पिंग हैंड्स संस्था की ओर से वरिष्ठ हार्ट सर्जन डॉ. पलकेश अग्रवाल के जन्मदिवस पर वाई जी एन कॉन्वेंट स्कूल, अनंतपुरा में नि:शुल्क मल्टीस्पेशलिटी मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर विभिन्न बीमारियों की जांच करवाई और विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लिया। कैंप में अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा सामान्य रोग, ब्लड प्रेशर, शुगर, आंखों से संबंधित समस्याएं, स्त्री रोग एवं मौसमी बीमारियों की जांच की गई। मरीजों को उनकी आवश्यकता के अनुसार चिकित्सकीय सलाह देने के साथ ही नि:शुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया, जिससे आमजन को काफी राहत मिली। कार्यक्रम के समापन पर वाई जी एन एजुकेशन ग्रुप के अध्यक्ष अरशद अंसारी ने सभी डॉक्टर्स एवं चिकित्सा टीम को सम्मानित करते हुए उनके योगदान की सराहना की।

उन्होंने डॉ. आर के अग्रवाल द्वारा जरूरतमंदों के नि:शुल्क ऑपरेशन जैसे सामाजिक कार्यों को भी प्रेरणादायक बताया। इस दौरान अफरोज खान, अंकुश जी, गोपाल शर्मा, आमिर खान, जाहिद निजामी मस्तान, रमजानी अंसारी और शाहरुख सहित कई लोगों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्थानीय लोगों ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविर जरूरतमंदों के लिए बेहद उपयोगी साबित होते हैं।

बोहरा ग्लोबल स्कूल में साइबर अपराध जागरूकता सेमिनार, छात्रों को दी सुरक्षा की जानकारी

महवा (रॉयल पत्रिका): महवा उपखंड मुख्यालय स्थित बोहरा ग्लोबल स्कूल में विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में न्यायिक मजिस्ट्रेट सीमा मीणा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं और उन्होंने छात्रों को साइबर सुरक्षा तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अपने संबोधन में सीमा मीणा ने बताया कि आज के समय में किशोर वर्ग सोशल मीडिया के अधिक उपयोग के कारण साइबर अपराधियों के आसान निशाने बन जाते हैं। ठग फर्जी आईडी बनाकर बच्चों से संपर्क करते हैं और बाद में उन्हें धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग या अन्य गंभीर अपराधों में फंसा सकते हैं। उन्होंने छात्रों को अनजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार नहीं करने और किसी भी अज्ञात व्यक्ति से बातचीत से बचने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि मोबाइल नंबर, पता, स्कूल का नाम, फोटो या पासवर्ड जैसी व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करनी चाहिए। साथ ही विद्यालय में एक शिकायत पेटी भी स्थापित की गई और विद्यार्थियों व शिक्षकों की संयुक्त टीम गठित की गई, ताकि छात्र अपनी समस्याएं लिखित रूप में दर्ज कर सकें और उनका समाधान समय पर किया जा सके। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के नियमों का पालन करने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर स्कूल निदेशक विनय बोहरा, सह निदेशक विकास बोहरा, संरक्षक अवधेश अवस्थी, प्रिंसिपल दिव्या मिश्रा, वाइस प्रिंसिपल श्वेता राणा सहित शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शैक्षिक महासंघ का अभ्यास वर्ग सम्पन्न, सदस्यता अभियान व शिविरा संशोधन पर जोर

चूरू (रॉयल पत्रिका): अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) खण्ड चूरू का एक दिवसीय अभ्यास वर्ग संकल्प भवन, श्रीमती केशर देवी सोती आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षकों ने संगठन को मजबूत करने और शिक्षा क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र की अध्यक्षता राजेश कौशिक ने की, जबकि मुख्य वक्ता राजवीर सिंह राठौड़ रहे। उन्होंने संगठन की रीति-नीति और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए सदस्यता अभियान को गति देने का आह्वान किया। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शिव कुमार शर्मा ने की, जिसमें मुख्य वक्ता कृष्ण कुमार सैनी ने "मेरा विद्यालय, मेरा स्वाभिमान" अभियान की महत्ता बताते हुए विद्यालय विकास और सामाजिक जागरूकता पर जोर दिया। मंत्री कन्हैयालाल सैनी ने बताया कि अभ्यास वर्ग में शिक्षकों ने संगठन के उद्देश्यों को आत्मसात करते हुए सकारात्मक योगदान देने का संकल्प लिया। इस दौरान माध्यमिक शिक्षा निदेशक द्वारा जारी शिविरा पंचांग में अवकाश कटौती का विरोध करते हुए शिक्षकों ने इसे हितों के खिलाफ बताया और संशोधन की मांग की। प्रदेश उपाध्यक्ष राजवीर सिंह राठौड़ ने चेतावनी दी कि यदि शिविरा में पूर्व की भांति अवकाश बहाल नहीं किए गए तो आगामी बैठक में आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। कार्यक्रम का समापन खंड अध्यक्ष चिमनलाल शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर लक्ष्मणदान चारण, नरपत सिंह शेखावत, रवि आनंद, हेमंत शर्मा, होशियार चंद्र, महेश शर्मा, प्रभुदयाल सैनी, अनुपम सैनी, सुरेंद्र परिहार, दलीप सिंह, सूर्य प्रकाश शर्मा, मंगल चंद सैनी, प्रमेंद्र सिहाग, कमल कुमार शर्मा, सुशील कुमार महर्षि, रविन्द्र शर्मा, विजेंद्र सैनी, ओमप्रकाश सैनी, नीलेश इंदौरिया, उर्मिला शर्मा सहित कई शिक्षक व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मटका किंग का ट्रेलर रिलीज दिखी 1960 के मुंबई की झलक

मुंबई। अभिनेता विजय वर्मा की आगमी वेब सीरीज 'मटका किंग' का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज हो गया है। इसमें एक कपास व्यापारी के 'मटका किंग' बनने के सफर को दिखाया गया है। दरअसल, मटका किंग से यहां आशय जुआ सरगना बनने से है। इस सीरीज में विजय के साथ कृतिका कामरा, साईं ताम्हणकर, गुलशन ग्रोवर और सिद्धार्थ जाधव जैसे सितारे भी हैं। यह सीरीज 17 अप्रैल से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। सीरीज 'मटका किंग' में विजय ने ब्रिज भट्टी का रोल अदा किया है। ट्रेलर की शुरुआत में ब्रिज भट्टी को एक कपास के कामगार के रूप में दिखाया गया है। 1960 के दशक के बॉम्बे (अब मुंबई) की झलक है।

लाइफ Style

तृषा

अफवाहों का दिया जोरदार जवाब

एजेंसी ▶▶ मुंबई

क्या साउथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णन फिल्में छोड़कर एक अमीर बिजनेसमैन के साथ शादी करने वाली हैं। इसी को लेकर उन्होंने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की है। तृषा कृष्णन बीते कई दिनों से सुर्खियों में हैं।

हाल ही में वे थलापति विजय के साथ चेन्नई में एक वेडिंग रिसेप्शन में शामिल हुईं थीं। इसके बाद से ही दोनों के डेटिंग की चर्चाएं चल रही हैं। इस बीच ये रिपोर्ट्स भी सामने आ रही थीं कि एक्ट्रेस अब फिल्में छोड़कर एक अमीर बिजनेसमैन के साथ शादी करने वाली हैं। जिसके बाद अब इन रिपोर्ट्स का रिसपॉन्स देते हुए तृषा ने एक पोस्ट शेयर किया है। तृषा कृष्णन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों पर जोरदार जवाब दिया है। खबरें आ रही थीं कि वो जल्द ही फिल्मों से रिटायर होने वाली हैं और नए प्रोजेक्ट्स साइन नहीं कर रहीं, लेकिन तृषा ने इन सबको पूरी तरह गलत बताया। तृषा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर तंज कसते हुए लिखा, 'सुना है मैंने फिल्में छोड़ दी हैं, किसी अमीर बिजनेसमैन से शादी कर ली है और 4 बच्चों की मां भी बन गई हूं, जो कल ही 2 साल के हो गए! कुछ और जोड़ना है या आज की सारी मनगढ़ंत कहानियां यहीं खत्म हो गईं?' इसका मतलब जो भी रिपोर्ट्स सामने आ रहीं थीं, वो सारी गलत थीं। बता दें कि बीते कुछ दिनों से विजय और तृषा के बीच रिलेशनशिप में होने की अफवाहें चल रही हैं। ये इस वजह से भी हो रहा है कि विजय की पत्नी संगीता ने उन्हें तलाक देने की बात कही थी और किसी एक्ट्रेस के साथ अवैध संबंध का जिक्र किया था।

हॉलीवुड मसाला

घिनौने व्यक्ति से मेरा कोई संबंध नहीं

लॉस एंजिल्स। 'एपस्टीन फाइल्स' से केवल जीजी हदीद ही नहीं, बल्कि उनकी बहन बेला हदीद का भी नाम जुड़ा है। जीजी हदीद ने अब इसपर खुलकर बातें की हैं। उन्होंने कहा, 'उन फाइलों में मेरा नाम होना... मुझे लगता है कि उस समय मेरी उम्र 20-21 साल रही थी जब उसने वह ईमेल लिखा होगा, यह बहुत परेशान करने वाला है। मैं साफ तौर पर कहना चाहती हूं कि मेरा उस घिनौने व्यक्ति से कभी कोई संबंध नहीं है।' जीजी ने नैतिकता पर बातें करते हुए कहा कि भले वो प्रिविलेज्ड लाइफ में पली हों, लेकिन उनके माता-पिता ने उन्हें स्ट्रॉन्ग वैल्यूज दिए हैं।

बीटीएस को मिलेगा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

लॉस एंजिल्स। बीटीएस ग्रुप लगातार मिल रही कामयाबी की वजह से चर्चा में है। पूरी दुनिया में नाम कमाने के बाद बीटीएस को उसी देश में सम्मानित किया जा रहा है, जहां से उनके सफर की शुरुआत हुई थी! इस ग्रुप को एरिरांग इंटरनेशनल ब्रॉडकास्टिंग की 30वीं वर्षगांठ के मौके पर मशहूर 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान समारोह सियोल में एरिरांग टीवी के मुख्यालय में आयोजित किया जाएगा। यह सम्मान कई मायनों में खास है। 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' का मकसद बीटीएस को इज्जत देना है। इस ग्रुप ने वह काम किया है जो किसी और बैंड ने नहीं किया है। ग्रुप ने अपने म्यूजिक के जरिए पूरी दुनिया में कोरियाई संस्कृति का प्रसार किया है। 2013 में अपने डेब्यू के बाद से, इस ग्रुप ने लगातार बाधाओं को तोड़ा है और के-पॉप कलाकारों के लिए उदाहरण पेश किया है। एरिरांग टीवी लंबे समय से कोरियाई मनोरंजन और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के बीच एक सेतु का काम करता रहा है।

कालीघाट मंदिर दर्शन करने पहुंचीं कंगना

मुंबई। मशहूर अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत कोलकाता पहुंचीं। इस दौरान वे कालीघाट काली मंदिर के दर्शन करने पहुंचीं। कंगना ने इस प्रसिद्ध मंदिर में महामाया मां काली का आशीर्वाद लिया और प्रार्थना की। उन्होंने मां काली के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित की। पश्चिम बंगाल में इस महीने विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। पहले चरण के लिए 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरे चरण में 29 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। वहीं, परिणाम 04 मई को आएगा। इससे पूर्व हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत कोलकाता पहुंचीं और मंदिर दर्शन किए। उनकी फोटोज सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। कंगना रनौत साड़ी पहनकर ट्रेडिशन लुक में नजर आईं। पिंक कलर की सिल्क साड़ी के साथ उन्होंने पारंपरिक गहनों से अपना लुक कंपलीट किया है।

आशा ने तब्बू को तोहफे में दिया गिटार...

मुंबई। मशहूर एक्ट्रेस तब्बू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में इसका ट्रेलर रिलीज हुआ। इस बीच तब्बू अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में आ गई हैं। इसमें वे अपना गिफ्ट फ्लॉन्ट करती दिखी हैं, जो उन्हें दिग्गज गायिका आशा भोसले ने जन्मदिन के मौके पर दिया था। इसके साथ तब्बू ने एक नोट भी लिखा है। 'मुझे अपने सबसे यादगार दिनों के बारे में बताइए, मुझे उन पलों के बारे में बताइए जिन्हें आप कभी नहीं भूलेंगे। मुझे बताइए कि आपके दिल को सबसे ज्यादा क्या छू जाता है? मुझे अपनी सबसे कीमती चीजों के बारे में बताइए'। तब्बू ने आगे लिखा है, 'नवंबर में मेरा जन्मदिन था और तभी मेरे दरवाजे से होते हुए यह खूबसूरत चीज, यह गिटार मिला। यह तोहफा आशाजी ने मुझे दिया।

टीवी मसाला

दिशा को उसके मुकाम तक पहुंचने के लिए पिता ने छोड़ दी थी नौकरी

नई दिल्ली। दिशा वकानी पर इस वक्त दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। उन्होंने अपने पिता को हमेशा के लिए खो दिया है, जिन्होंने अपनी बिटिया को उसके मुकाम तक पहुंचाने में अपनी नौकरी तक छोड़ दी थी। दिशा वकानी के पिता भीम वकानी थिएटर आर्टिस्ट रहे हैं, जिन्होंने कई बड़े-बड़े कलाकारों के साथ काम भी किया है। भीम वकानी आमिर खान की फिल्म 'लगान' में भी नजर आनेवाले हैं। तमाम बड़े स्टार्स के साथ काम कर चुके भीम वकानी को इस बात की खुशी थी कि आज उनकी बेटी उनसे बड़ी स्टार बन गई हैं। भीम वकानी ने एक बार अपने इंटरव्यू में बेटी दिशा वकानी को लेकर काफी सारी बातें की थीं। उन्होंने एक बार मीडिया से बातचीत में बताया था कि बेटी का सपना पूरा करने के लिए उन्होंने अपनी नौकरी तक छोड़ दी और मुंबई आ गए। दिशा वकानी को एक्टिंग की दुनिया में लाने वाले कोई और नहीं बल्कि उनके पिता ही थे। कई साल पहले मीडिया से हुई बात में दिशा वकानी के पिता ने कहा था, 'ये सब करने में उसको बहुत टाइम लगा है। इसने ड्रामा, डिप्लोमा, डिग्री किया। ये बहुत छोटी थी तब से मेरे साथ इंटीरियर गांव में, आदिवासी गांवों में ये चार शो करने को आती थी। वहां से शुरू किया इसने ड्रामा, डिप्लोमा किया, डिग्री लिया और फिर मुंबई आई।' उन्होंने आगे कहा था, 'मुंबई में 10 साल ड्रामा वगैरह करते-करते ये यहां तक पहुंची है। इसकी चाहत थी कि मुझे मुंबई जाना है। इसलिए मैं नौकरी छोड़कर इसको यहां लाया। पहले लोग मेरे नाम से मेरी बेटी को पहचानते थे कि ये भीम वकानी की बेटी है। अभी उल्टा हो गया है कि ये दिशा वकानी के पापा हैं, मुझे इसका भी गर्व है। ये मेरी बेटी है, मेरे से भी आगे निकल गई है।'

दो साल बाद लौटेगा 'खतरों के खिलाड़ी'

नई दिल्ली। दो साल बाद रियलिटी शो 'खतरों के खिलाडी 15' की टीवी पर वापसी हो रही है। इस शो को एक्शन फिल्मों के लिए मशहूर रोहित शेट्टी होस्ट करते हैं। इस सीजन की तैयारियां जोरों पर हैं। सूत्रों के मुताबिक मई के दूसरे हफ्ते में होस्ट रोहित शेट्टी और कंटेस्टेंट्स केप टाउन, साउथ अफ्रीका के लिए रवाना हो सकते हैं। इस बार भी शो का शेड्यूल लंबा रखा गया है। पूरी शूटिंग करीब 50 दिनों में खत्म करने की प्लानिंग है। रोहित शेट्टी के शेड्यूल को लेकर भी साफ रणनीति बनाई जा रही है। सूत्र ने कहा, 'रोहित सर ने अपने कैलेंडर को इसी हिसाब से सेट किया है कि 'खतरों के खिलाड़ी'के लिए निकलने से पहले 'गोलमाल 5' का बड़ा हिस्सा शूट हो जाए। क्योंकि शो के दौरान वे पूरी तरह उसी प्रोजेक्ट में व्यस्त रहते हैं। वापस आने के बाद उनका फोकस सीधे फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन पर शिफ्ट होगा।

अरशद और नवाजुद्दीन की बेटियों ने चुराई लाइमलाइट

मुंबई। कभी-कभी सितारे नहीं, बल्कि उनके साथ आए लोग ही चुपचाप सबका ध्यान खींच लेते हैं, और ऐसा ही कुछ हाल ही में एक अवॉर्ड फंक्शन में देखने को मिला। एक्टर अरशद वारसी रविवार को अपनी बेटी जेने जो वारसी के साथ इस फंक्शन में शामिल हुए और देखते ही देखते वह शाम की सबसे चर्चित हस्तियों में से एक बन गईं। रेड कार्पेट से वीडियो ऑनलाइन वायरल होते ही लोगों ने उनकी मौजूदगी पर तुरंत ध्यान दिया और कई लोगों ने उनकी खूबसूरती की तारीफ की। वहीं, नवाजुद्दीन सिद्दीकी की बेटी की भी खूब तारीफ हुई। दोनों की शालीनता ने अलग ही खबरें फैला दीं। अरशद वारसी की बेटी जेन के फोटोग्राफरों से बातचीत करते और रेड कार्पेट पर चलते हुए वीडियो जल्द ही वायरल हो गए। कई लोगों ने कमेंट सेक्शन में उनकी खूबसूरती और स्क्रीन प्रेजेंस की खूब तारीफ की। एक यूजर ने लिखा- हैंडसम पापा की ब्यूटीफुल बेटी, भगवान तुम्हें हमेशा खुश रखे। एक ने कमेंट किया- कितनी खूबसूरत है। एक तीसरे यूजर ने उनके भविष्य के बारे में कमेंट किया, उन्होंने पूछा- कब डेब्यू करने वाली है?? एकदम हॉट है। एक फैन ने लिखा- श्रद्धा कपूर की कॉपी मिल गई अब। वहीं, नवाजुद्दीन सिद्दीकी की बेटी शोरा सिद्दीकी को देखकर भी लोग दंग रह गए और उनकी खूबसूरती की खूब तारीफ की। शोरा पहले तो रेड कार्पेट पर आने में हिचक रही थीं, फिर उनके पिता नवाज उनके पास आए और समझाया। शोरा की खूबसूरती की तुलना सीधे ऐश्वर्या राय से हुई। पिछले साल नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने शोरा की एक्टिंग को लेकर खुलासा किया था।

रामायणमः यश बनेंगे अब तक के सबसे अनोखे रावण, शिव भक्त की दिखेगी छवि

नई दिल्ली। 'रामायणम' इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है। फिल्म निर्माताओं ने हाल ही में लॉस एंजिल्स और मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में रणबीर कपूर के किरदार 'राम' का पहला टीजर जारी किया। फिल्म इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन चुकी है, ऐसे में निर्देशक नितेश तिवारी ने बताया है कि उनकी फिल्म रावण को एक बड़े खलनायक के रूप में दिखाने के बजाय, अधिक लेयर्स में और मानवीय रूप में दिखाएगी। 'केजीएफ' स्टार यश फिल्म में रावण की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म निर्माता के अनुसार, यश का अभिनय न केवल रावण के बुरे पहलुओं को दिखाएगा, बल्कि भगवान शिव के प्रति उनकी भक्ति, संगीत का टैलेंट और एक सक्षम शासक के रूप में उनके गुणों को भी दिखाएगा- साथ ही यह भी दिखाएगा कि कैसे अहंकार और क्रोध अंत नें उसके पतन का कारण बनते हैं। लॉस एंजिल्स में फिल्म के टीजर लॉन्च के मौके पर बोलते हुए नितेश तिवारी ने कोलाइडर से कहा, 'देखिए, रावण के जीवन के कई पहलू थे। वह एक महान योद्धा था, एक कुशल संगीतकार था, एक विद्वान था, एक दयालु राजा था... एक महान शिव भक्त था।' रावण के इन सभी पहलुओं को दिखाना बहुत जरूरी है, क्योंकि इनमें एक बहुत सबक छिपा है। आपमें कितने भी अच्छे गुण हों, लेकिन अगर आप बदले की भावना और अहंकार से प्रेरित हैं, तो आप जानते हैं कि इसका अंत क्या होगा। इसी कार्यक्रम में रणबीर कपूर ने यश के रावण के किरदार में ढलने की तारीफ करते हुए उनकी दमदार प्रेजेंस की सराहना की। यश के पास बेशक स्टारडम है। रावण का किरदार निभाने के लिए ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है जिसमें वो औरा और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस हो। रावण के रूप में उन्हें देखना बहुत अलग है। मुझे लगता है कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देखना पसंद करेंगे। दिलचस्प बात यह है कि यश इस प्रोजेक्ट में निर्माता के तौर पर भी शामिल हैं। अप्रैल 2025 में अपनी भागीदारी के बारे में बात करते हुए उन्होंने वैरायटी को बताया, 'भारतीय सिनेमा को वैश्विक स्तर पर दिखाने वाली फिल्में बनाना मेरी लंबे समय से ख्वाहिश रही है।

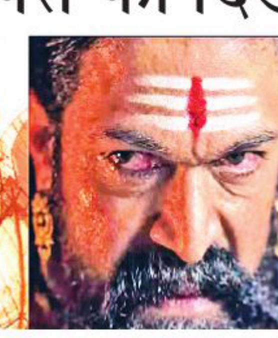

पैसे कमाने और पहचान बनाने की चाह में बॉडी डबल के साथ सिनेमा में रखा था कदम

सेट पर निर्देशक को खुश करने के लिए चापलूसी की हदें कर दी थीं पार

नई दिल्ली। जितेंद्र के पिता की नकली जूलरी की दुकान थी, जो फिल्मों के सेट पर भी अपने नकली गहने बेचा करते थे। उस वक्त जितेंद्र सेट पर हर तरीके का काम करते थे और एक महीने की तनख्वाह 150 रुपए थी। एक्टर ने डायरेक्टर वी. शांताराम की चापलूसी की सारी हदें पार कर दी थीं।

जितेन्द्र के बारे में अनसुनी बातें

हिंदी सिनेमा में पहचान बनाने के लिए सभी को दिन-रात मेहनत करनी पड़ती है। किसी भी नए एक्टर को पहली फिल्म मिलना किस्मत के चमक जाने के जैसा होता है, लेकिन जितेंद्र के लिए यह घाटे का सौदा रहा था। मात्र 150 रुपए से फिल्मों में कदम रखने वाले जितेंद्र ने कभी नहीं सोचा था कि वे फिल्मों में काम करेंगे, लेकिन पैसे कमाने और पहचान बनाने की चाह में एक्टर ने बॉडी डबल के साथ हिंदी सिनेमा में कदम रखा था।

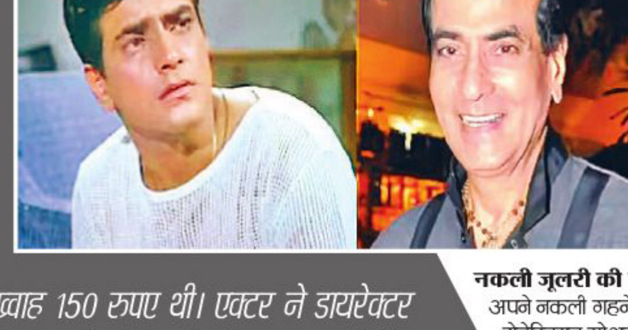

नकली जूलरी की दुकान : जितेंद्र के पिता की नकली जूलरी की दुकान थी, जो फिल्मों के सेट पर भी अपने नकली गहने बेचा करते थे। जितेंद्र भी अपने पिता के काम में हाथ बांटते थे। उन्होंने मुंबई के सेंट सेबेस्टियन गोअन हाई स्कूल में अपने दोस्त राजेश खन्ना के साथ पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने मुंबई के सिद्धार्थ कॉलेज से उन्होंने आगे की पढ़ाई की। हालांकि, वे बचपन से ही फिल्मों के शौकीन थे, लेकिन नहीं पता था कि गहने बेचने का काम ही हिंदी सिनेमा में कदम रखने का पहला रास्ता है।

चापलूसी करने से भी पीछे नहीं हटते थे

बहुत कम लोग जानते हैं कि जितेंद्र ने फिल्म 'सेहरा' के सेट पर हर तरीके का काम किया था। वे आर्टिस्ट का सारा काम करते थे और उनकी जरूरतों का ध्यान भी रखते थे। उस वक्त एक महीने की तनख्वाह 150 रुपए थी। इसी फिल्म के दौरान एक्टर ने वी. शांताराम को प्रभावित करने के लिए चापलूसी की सारी हदें पार कर दी थीं। खुद एक्टर ने स्वीकारा था कि निर्देशक को इम्प्रेस करने के लिए वो सेट पर चापलूसी करने से भी पीछे नहीं हटते थे।

सफल शुरुआत करने के बावजूद बुरा दौर देखा

हालांकि, 1970 के दशक की सफल शुरुआत करने के बावजूद जितेंद्र ने 1972 से 1973 तक काफी बुरा दौर देखा। इस बीच उनकी अधिकांश फिल्में एक हसीना दो दीवाने (1972), शादी के बाद (1972), यार मेरा (1972), रूप तेरा मस्ताना (1972), अनोखी अदा (1973) और गहरी चाल (1973) जैसी कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर असफल रहीं।

ऊंट पर छलांग लगा दी

उन्होंने बताया कि एक बार फिल्म में एक्ट्रेस संध्या को एक सीन करना था, जिसमें ऊंट पर कूदना था। निर्देशक ऐसे शख्स की तलाश में थे, जो यह सीन कर सके और बिल्कुल संध्या जैसा दिखे। वी. शांताराम को इम्प्रेस करने के लिए एक्टर ने सीन को करने के लिए हां कर दिया और ऊंट पर छलांग लगा दी। वो सीन सिर्फ पैसे के लिए नहीं किया था, बल्कि खुद को साबित करने के लिए किया था, जिसके बाद निर्देशक ने फिल्म 'गीत गाया पत्थरों ने' में लीड रोल दिया और तनख्वाह थी 100 रुपए। एक्टर ने बताया कि इस वक्त पैसे से फर्क नहीं पड़ता था, क्योंकि जितेंद्र को जितेंद्र बनाने वाले वी. शांताराम थे और उनकी की बदौलत सिनेमा में कदम रखा था।

धर्मवीर ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर रही : इसके बाद उन्हें भाई हो तो ऐसा (1972) और जैसे को तैसा (1973) जैसी फिल्मों से कुछ सफलताएं मिलीं और गुलजार के परिचय (1972) में उन्हें काफी तारीफ मिली। इसके बाद 1974 में एल.वी. प्रसाद की फिल्म बिदाई में लीना चंदावरकर के साथ नजर आए जो सुपरहिट रही। 1977 जितेंद्र के लिए कई सफलताओं से भरा एक बड़ा साल साबित हुआ। मनमोहन देसाई की शानदार फिल्म धर्मवीर ने उन्हें एक ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर दी।

कांस्टेबल परीक्षा ठुकराई, आईपीएल खेलने निकला नजफगढ़ का 'प्रिंस'

लखनऊ सुपर जायंट्स के स्विंग गेंदबाज प्रिंस यादव ने अक्षर और ईशान के डिफेंस को भेदा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कुछ साल पहले तक नजफगढ़ में रहने वाले रेलवे सुरक्षा बल के सहायक सब इंस्पेक्टर (एएसआई) राम निवास यादव अपने सबसे छोटे बेटे प्रिंस के भविष्य को लेकर बेहद चिंतित थे, जिसकी दिलचस्पी केवल टेनिस बॉल टूर्नामेंट में यॉर्कर गेंदबाजी करने में थी। लेकिन इस युवा क्रिकेटर को खुद पर भरोसा था और उसने अपने पिता से सीधे शब्दों में कह दिया, 'आप मेरी चिंता करना छोड़ दो। मैं अपने से कुछ कर लूंगा।' अब बात करते हैं 2026 की। वह बेपरवाह दिखने वाला लड़का अपने वादे पर खरा उतर चुका है। लखनऊ सुपर जायंट्स के इस स्विंग गेंदबाज का नाम है प्रिंस यादव, जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अक्षर पटेल और ईशान किशन जैसे अनुभवी भारतीय बल्लेबाजों के डिफेंस को भेदने में सफल रहा।

18 साल की उम्र तक नहीं खेला चमड़े की गेंद से

प्रिंस के पिता रामनिवास ने कहा, 'कोई भी पिता अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित होगा और मैं भी था। 18 साल की उम्र तक उसने चमड़े की गेंद से एक बार भी गेंदबाजी नहीं की थी। मैंने उसे दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल की परीक्षा में बैठने के लिए मजबूर किया। वह शारीरिक रूप से फिट था, लेकिन लिखित परीक्षा के लिए अच्छी तरह से तैयार नहीं था क्योंकि उसका ध्यान कहीं और था।' रामनिवास ने आखिर अपने बेटे की जिद मान ली क्योंकि उनके पास अपने बेटे का साथ देने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा, 'बेटे की जिद है और हमें पूरा करना था। एक एएसआई के वेतन में कितना ही गुजारा हो पाता है। लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने उसे अपनी इच्छा पूरी करने दी।'

अब हमारा इलाका क्रिकेट के लिए फेमस

प्रिंस के शानदार प्रदर्शन के बाद अब नजफगढ़ के खेड़ा डाबर गांव से भी लोग उनके घर पर बधाई देने के लिए आने लगे हैं। उन्होंने कहा, 'पहले हमारे इस इलाके को लोग इसलिए जानते थे क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति साहिबा (प्रतिभा पाटिल) चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेदिक संस्थान का उद्घाटन करने (2012में) यहां आई थी। अब हमारा इलाका क्रिकेट के लिए फेमस हो गया है।' राम निवास के अनुसार प्रिंस के पहले और अब तक के एकमात्र कोच अमित वशिष्ठ और भारत के अंडर-19 विश्व कप विजेता तेज गेंदबाज प्रदीप सांगवान ने उनके खेल में निखार लाने में अहम भूमिका निभाई।

पीठ पर रेत की बोरी और खेतों में दौड़

राम निवास ने कहा, मैं अमित सर का जितना भी शुक्रिया अदा करूं, कम है। उन्होंने प्रिंस को टेनिस टूर्नामेंट खेलते हुए देखा और उसे नजफगढ़ स्थित अपनी अकादमी से जुड़ने के लिए कहा। प्रदीप जी (सांगवान) भी अमित सर के शिष्य थे और उन्होंने प्रिंस को फिटनेस में मदद की।' एक समय ऐसा भी था जब प्रिंस अपनी पीठ पर रेत की बोरी बांधकर धान के खेतों में दौड़ते थे ताकि उनके शरीर का ऊपरी हिस्सा मजबूत बन जाए। रामनिवास ने कहा, 'प्रदीप ने उसका बहुत मार्गदर्शन किया और अमित सर ने उसके खेल में सुधार किया।

प्रिंस कड़ी मेहनत करने से पीछे नहीं हटा : कोच वशिष्ठ

प्रिंस के कोच वशिष्ठ ने कहा, 'वह यॉर्कर गेंदें फेंक सकता था और टेनिस बॉल को भी अच्छी गति से स्विंग करा सकता था। जब मैंने उसे देखा तो मैंने उसके दोस्तों से कहा कि वे उसे मुझसे मिलने के लिए कहें। वह पहले से ही 18 साल का था और उसके पास अपनी काबिलियत साबित करने के लिए बहुत कम समय था।' वशिष्ठ को लगता है कि प्रिंस की कड़ी मेहनत करने की क्षमता ही उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। उन्होंने कहा, 'वह कड़ी मेहनत करने से पीछे नहीं हटा। वह दिल्ली की भीषण गर्मी में भी दो घंटे गेंदबाजी कर सकता है। प्रदीप के साथ काम करने से उसकी फिटनेस में सुधार हुआ है। वह जहीर खान और भरत अरुण से भी टिप्स ले चुका है। अब उसकी सफलता की कोई सीमा नहीं है।'

खबर संक्षेप

पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में हारे अभय

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष खिलाड़ी अभय सिंह मिस्त्र के एल गौना में चल रही पीएसए प्लैटिनम प्रतियोगिता एल गौना ओपन स्क्वाश के पुरुष वर्ग के दूसरे दौर में पांच गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में यूसुफ इब्राहिम से हार गए। विश्व में 25वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने सोमवार को खेले गए मैच में अच्छी शुरुआत की थी। उन्होंने विश्व में सातवें नंबर के खिलाड़ी इब्राहिम के खिलाफ पहला और तीसरा गेम जीता, लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए। मिस्त्र के छठे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इब्राहिम ने आखिर में यह कड़ा मुकाबला 7-11 11-9 9-11 11-5 11-8 से जीता। यह मैच 68 मिनट तक चला, जिससे इब्राहिम ने खिताब के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है।

बीसीबी अध्यक्ष पद से हटाए गए अमीनुल

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से द्विपक्षीय संबंधों को फिर से शुरू करने का अनुरोध किए जाने के कुछ ही दिन बाद देश की राष्ट्रीय खेल परिषद (एनएससी) ने पूर्व कप्तान और बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल को पद से हटा दिया और नए चुनाव होने तक बोर्ड के दैनिक कामकाज को चलाने के लिए तदर्थ समिति का गठन किया है। बीसीबी के सूत्रों के अनुसार बुलबुल को मुख्य रूप से टी20 विश्व कप के दौरान हुए विवाद के कारण हटाया गया। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को 11 सदस्यीय तदर्थ का प्रमुख बनाया गया है। इस समिति की जिम्मेदारी अगले 90 दिन के भीतर क्रिकेट बोर्ड के चुनाव करवाना है।

हमें बल्लेबाजी में सुधार करने की जरूरतः क्लासेन

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने उम्मीद जताई कि सनराइजर्स हैदराबाद इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में अच्छी शुरुआत नहीं करने के बावजूद आगे खेल के सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहेगा। क्लासेन ने कहा, 'हमारी बल्लेबाजी अब तक ठीकठाक रही है, लेकिन हमने तीन मैचों में लगभग 40 रन कम बनाए। हमें बल्लेबाजी में और सुधार करने की जरूरत है। जिन दो मैचों में हमें संघर्ष करना पड़ा, उनमें हमने बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हमारे गेंदबाजों विशेषकर तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। हमें 220-230 रन बनाने होंगे ताकि हमारे गेंदबाजों को लक्ष्य का बचाव करने का मौका मिल सके।' उन्होंने कहा, 'हमारी फील्डिंग अच्छी नहीं रही है और इससे हमारा प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। मैं अभी तक हमें 10 में से छह अंक दूंगा। हमने कुछ चरणों में शानदार क्रिकेट खेली लेकिन खेल के महत्वपूर्ण मौकों पर चूक गए।'

दिल्ली में आज शाम 7.30 बजे से भिड़ेंगी अक्षर और शुभमन की टीमें

आईपीएल 14वां मुकाबला

दिल्ली कैपिटल्स की नजर हैट्रिक पर, पहली जीत की चाह में गुजरात

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल के 14वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का सामना बुधवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में गुजरात टाइटंस (जीटी) से होगा। अक्षर पटेल की कप्तानी में डीसी जीत की हैट्रिक लगाने के इरादे से इस मुकाबले में उतरेगी। वहीं, जीटी को इस सीजन की पहली जीत की तलाश होगी। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से बल्लेबाजी में समीर रिजवी का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने लगातार दो मुकाबलों में नाबाद अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई है।

पाथुन निसांका ने भी पिछले मुकाबले में 30 गेंदों पर 44 रनों की अहम पारी खेली थी। हालांकि, केएल राहुल और नीतीश राणा की फॉर्म जरूर डीसी के लिए चिंता करने वाली बात रही है। राहुल 2 मुकाबलों में सिर्फ एक रन ही बना सके हैं। वहीं, गेंदबाजी में मुकेश कुमार और लुंगी एनगिडी की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया है। मुकेश ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आखिरी मुकाबले में 26 रन देकर 2 विकेट चटकाए थे। टी नटराजन ने 3 ओवर में 24 रन देकर एक विकेट निकाला था। अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की स्पिन जोड़ी भी शुरुआती दो मुकाबलों में उम्मीदों पर खरी उतरी है।

गुजरात टाइटन्स के दोनों विभाग लड़खड़ाए

गुजरात टाइटन्स एक ऐसी टीम है, जो दोनों विभाग में लड़खड़ा रही है। गुजरात टाइटन्स अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर जरूर से ज्यादा निर्भर नजर आ रही है और उसका मध्यक्रम नहीं चल पा रहा है। गुजरात टाइटन्स को अपने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 205 रन का लक्ष्य से हासिल कर लेना चाहिए था, लेकिन सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन से मिली अच्छी शुरुआत का मध्यक्रम के बल्लेबाज फायदा नहीं उठा सके। ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे मध्यक्रम के बल्लेबाजों को दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है।

गुजरात ने हारे शुरुआती दोनों मैच

दूसरी ओर, गुजरात टाइटंस को आईपीएल 2026 के शुरुआती दोनों ही मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आखिरी मुकाबले में 210 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम 204 रन ही बना पाई थी। बल्लेबाजी में साई सुदर्शन कमाल की लय में नजर आए हैं। हालांकि, सुदर्शन को दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका है।

गिल कर सकते हैं वापसी

शुभमन गिल पूरी तरह से फिट न होने के कारण आखिरी मुकाबले में नहीं खेले थे। हालांकि, इस मैच में उनकी प्लेइंग इलेवन में वापसी होना लगभग तय माना जा रहा है। जोस बटलर, ग्लेन फिलिप्स, वॉशिंगटन सुंदर, राहुल तेवतिया और शाहरुख खान उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। गेंदबाजी में भी सिराज और रबाडा की जोड़ी ने काफी रन खर्च किए हैं। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा भी लाइन एंड लेंथ से भटके दिखाई दिए हैं।

टीमें इस प्रकार

दिल्ली कैपिटल्सः अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, माधव तिवारी, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, बेन डकेट, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, साहिल पारख।

गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, शाहरुख खान, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, पृथ्वी राज येरा, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, अरशद खान।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप

फाइनल में पहुंचे ललित, शीर्ष वरीयता शी हुओयिंग को हराया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पानीपत के 23 साल के पहलवान ललित ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप की 55 किलोग्राम भार वर्ग के सेमीफाइनल में 2025 विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता और शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की शी हुओयिंग को हराया। अब वह फाइनल में पहुंच गए हैं, जहां उनका मुकाबला उज़्बेकिस्तान के तीसरी वरीयता प्राप्त इख्तियार बोतिरोव से होगा उनके पास एशियाई ख़िताब जीतने वाले केवल चौथे भारतीय ग्रीको-रोमन पहलवान बनने का मौका है।

आसान नहीं था ललित का सफर

हालांकि ललित के यहां तक पहुंचने का सफर बिल्कुल भी आसान नहीं था. ललित ने अपनी मां को तब खोया, जब वह पालने में ही थे और वह अपने पिता के किसी भी सहारे के बिना बड़े हुए। 2023 में ललित के सिर से पिता का भी साया उठ गया, लेकिन कुश्ती ही वह जगह थी, जहां उन्हें अपना दूसरा परिवार मिला। कुश्ती के शुरुआती दिनों में झज्जर में ललित की मुलाकात विजय गहलावत से हुई, जो उनके साथ के एक सीनियर पहलवान थे और आगे चलकर उनके सबसे करीबी दोस्त बने और जिन्होंने एक बड़े भाई और अभिभावक की भूमिका निभाई।

आईसीसी रैंकिंग

वनडे में अलाना का जलवा फिर बनीं नंबर वन गेंदबाज

एजेंसी ▶▶| दुबई

ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की स्पिन गेंदबाज अलाना किंग वनडे में एक बार फिर दुनिया की नंबर एक गेंदबाज बन गई हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन का इनाम अलाना को आईसीसी की जारी ताजा वनडे रैंकिंग में मिला है। अलाना किंग ने मार्च में नंबर एक गेंदबाज की पोजीशन को हासिल किया था।

हालांकि, कुछ हफ्तों बाद ही सोफी एक्लेस्टोन ने उनकी बादशाहत को खत्म कर दिया था। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के तीसरे वनडे मुकाबले में अलाना ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर के स्पेल में सिर्फ 19 रन देकर 5 विकेट चटकाए थे। इस स्पेल में अलाना ने 44 गेंदें डॉट फेंकी थीं और टीम को 9 विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। अलाना ने वनडे की ऑलराउंडर रैंकिंग में भी अपनी स्थिति को मजबूत किया है। वह सातवें नंबर पर पहुंच गई हैं और उन्होंने साइवर-ब्रंट को एक पायदान नीचे धकेल दिया है।

अमेलिया ने लगाई बड़ी छलांग

वहीं, दूसरे वनडे में 179 रनों की यादगार पारी खेलकर अमेलिया केर ने रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। वह 6 पायदान ऊपर चढ़कर अब बल्लेबाजों की रैंकिंग में 15वें नंबर पर आ गई हैं। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हर फॉर्मेट में इस समय अच्छी फॉर्म में हैं। वह लगातार बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दे रही हैं। जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के खिलाफ उनका प्रदर्शन जबरदस्त रहा। टी20 में भी अमेलिया लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, और वह दुनिया की नंबर एक ऑलराउंडर भी बनी हुई हैं। वहीं, वनडे के ऑलराउंडर रैंकिंग में अमेलिया केर अब मारिजाने कैप से आगे निकल गई हैं।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप मिश्रित युगल जोड़ियां बाहर

निंगबो। भारत की बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के मिश्रित युगल में शुरुआत निराशाजनक रही जब उसकी दोनों जोड़ियां पहले दौर से हारकर बाहर हो गई। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गाडे की जोड़ी मलेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त गोह सून हुआत और लेइ शेवोन जैमी की जोड़ी से 34 मिनट तक चले मुकाबले में हारकर बाहर हो गई। एक अन्य मैच में असित सूर्या और अमृता प्रथमेश की जोड़ी मलेशिया के वोंग तियेन सि और लिम चियू सियेन से 31 मिनट में हार गई। एकल वर्ग के मुकाबले बुधवार से शुरू होंगे। पुरुष एकल में आल इंग्लैंड चैंपियनशिप उपविजेता लक्ष्य सेन का सामना हांगकांग के ली चियुक यू से होगा। वहीं महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से खेलेंगी। भारत की पुरुष टीम में सेन के अलावा किदाम्बी श्रीकांत, एचएस प्रणय और आयुष शेट्टी भी हैं। वहीं महिला टीम में सिंधू के साथ तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा और मालविका बंसोड़ हैं।

13 से 17 अप्रैल तक ब्यूनस आयर्स के सीएएनएआरडी में होंगे मुकाबले

अर्जेंटीना से 4 मैचों की सीरीज खेलेगी महिला हॉकी टीम

एजेंसी ▶▶| तूरिन

भारत की सीनियर महिला हॉकी टीम चार मैचों की श्रृंखला के लिए अर्जेंटीना का दौरा करेगी। इस श्रृंखला के मैच 13 से 17 अप्रैल तक ब्यूनस आयर्स के सीएएनएआरडी में खेले जाएंगे।

भारतीय टीम अपने मैच 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को अर्जेंटीना के नेशनल सेंटर ऑफ हाई परफार्मेंस एथलेटिक्स सेंटर (जिसे सीएएनएआरडी के नाम से भी जाना जाता है) में खेलेगी। भारत और अर्जेंटीना के बीच हाल में कुछ कड़े मुकाबले खेले गए हैं। इनमें पिछले साल जून में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 का मैच भी शामिल है, जिसका फैसला 2-2 से बराबर रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में किया गया। भारतीय टीम का यह दौरा बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप और इस साल के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। इससे भारतीय टीम को विभिन्न संयोजन आजमाने का मौका भी मिलेगा।

दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक अर्जेंटीना

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'हम 24 खिलाड़ियों की टीम के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं। यह एक सोच-समझकर लिया गया निर्णय है। इस दौरे का उद्देश्य अधिक से अधिक खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन करने का मौका देना है। अर्जेंटीना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और इस श्रृंखला से हमें प्रति खिलाड़ी को परखने का मौका मिलेगा। हम देखना चाहते हैं कि जरूरत पड़ने पर कौन बेहतर प्रदर्शन कर सकता है।' उन्होंने कहा, 'इस टीम में जगह बनाने के लिए आपको सबसे पहले यह साबित करना होगा कि आप एक 'टीम प्लेयर' हैं। व्यक्तिगत प्रतिभा महत्वपूर्ण है लेकिन अगर आप इस टीम के साथ तालमेल नहीं बिठा सकते और एक-दूसरे की मदद नहीं कर सकते हैं तो आपके लिए इस टीम में जगह बनाना मुश्किल होगा।'

इटालियन फुटबॉल लीग सीरी ए में पोलिटानो ने दागा जीत का गोल

नेपोली ने एसी मिलान को हराया, खिताब की उम्मीद बरकरार

एजेंसी ▶▶| तूरिन

स्थानापन्न खिलाड़ी मैटियो पोलिटानो के 79वें मिनट में किए गए गोल की मदद से नेपोली ने एसी मिलान को 1-0 से हराकर इटालियन फुटबॉल लीग सीरी ए में खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। नेपोली इस मैच से पहले एसी मिलान से एक अंक और शीर्ष पर काबिज इंटर मिलान से 10 अंक पीछे तीसरे स्थान पर था। इन दोनों क्लब के लिए खिताब की उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए इस मैच में जीत जरूरी थी। मैच में हालांकि गोल करने की बहुत कम मौके बने और ऐसे में पांच मिनट पहले स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरने वाले पोलिटानो का गोल निर्णायक साबित हुआ। इस जीत से नेपोली के 31 मैच में 65 अंक हो गए हैं जबकि एसी मिलान के इतने ही मैच में 63 अंक हैं। इंटर मिलान 31 मैच में 72 अंक लेकर अब भी खिताब की दौड़ में सबसे आगे बना हुआ है। एक अन्य मैच में युवेंटस ने जेनोआ को 2-0 से हराया। इस जीत से युवेंटस ने चौथे स्थान पर काबिज कोमो से अंतर को घटाकर एक अंक कर दिया। कोमो को उडिनीस ने गोलरहित से ड्रॉ पर रोका।

गिरोना ने विलारियाल को हराया

गिरोना। विलारियाल को आत्मघाती गोल के कारण गिरोना से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में तीसरे नंबर पर अपनी स्थिति मजबूत करने की उसकी उम्मीदों को करारा झटका लगा। विलारियाल अगर इस मैच में जीत जाता तो वह चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से चार अंक आगे हो जाता। एटलेटिको मैड्रिड को बार्सिलोना से अपने घरेलू मैदान पर हार का सामना करना पड़ा था। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में अर्नाउ के क्रॉस का शॉट पाउ नवारो पर लगा और गेंद उनके ही गोलकीपर को चकमा देते हुए गोल में चली गई। विलारियल 30 मैच में 58 अंक लेकर तीसरे स्थान पर बना हुआ है।

रूस के खिलाफ तीन फ्रेंडली मैच खेलेगी महिला टीम

भारत की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम रूस के खिलाफ 11 से 17 अप्रैल तक सोची में तीन मैत्री मैच खेलेगी। भारतीय टीम की मुख्य कोच पामेला कोंटी ने इस दौरे के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। यह मैच 11, 14 और 17 अप्रैल को सोची के मात्सेस्टा फुटबॉल सेंटर में खेले जाएंगे। इस साल चीन में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी कर रही भारतीय टीम सोची पहुंची। भारतीय महिला टीम पिछले महीने यांगून गई थी, जहां उसने मेजबान टीम के खिलाफ दो मैत्री मैच खेले। इन दोनों मैच में उसने जीत (2-0 और 3-2) हासिल की थी। इसके बाद भारतीय टीम ने बेंगलुरु में अभ्यास शिविर में हिस्सा लिया था। सूज़ौ में होने वाले एशियाई कप में भारत को ग्रुप बी में रखा गया है, जहां उसका सामना ऑस्ट्रेलिया (दो मई), जापान (पांच मई) और लेबनान (आठ मई) से होगा।

ईरान के 17 रिहायशी इलाकों पर यूएस ने बरसाए बम, अल्बोर्ज प्रांत में 18 की मौत

ईरान बोला- नागरिकों पर हमला करने का कोई औचित्य नहीं

ईरान ने कहा है कि उस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों का कोई असर नहीं होगा। ईरानी सेना आईआरजीसी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के बयानों को 'आधारहीन' बताया है। ईरान की सेना ने कहा है कि ट्रंप की धमकियों से अमेरिका और इजराइली सुरक्षाबलों के खिलाफ जारी आक्रामक कार्रवाई प्रभावित नहीं होगी। धमकियों से पश्चिम एशिया में हुआ अमेरिका का अपमान नहीं मिटेगा

एजेंसी ⏭ तेहरान/तेल अवीव

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के आगे ईरान के नहीं झुकने के बाद अमेरिका ने ईरान के 17 रिहायशी इलाकों पर बम बरसाए। इस हमले में अल्बोर्ज प्रांत में 2 बच्चों समेत 18 की मौत हो गई। अमेरिका-इजराइल ने मंगलवार को ईरान पर किए गए हमलों में खोर्माबाद हवाई अड्डे को निशाना बनाया है। ईरानी रेड क्रिसेंट संगठन ने मंगलवार को बताया कि अमेरिका और इजराइल ने ईरान को 17 रिहायशी इलाकों पर बमबारी की है। संगठन ने कहा कि नागरिकों पर हमला करने का कोई औचित्य नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून स्पष्ट रूप से कहते हैं कि निहत्थे नागरिकों पर हमला करना युद्ध अपराध है।

ईरान पर भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिका के हमले में तबाह ईरान की राजधानी तेहरान की शेरिफ यूनिवर्सिटी

ईरान के समर्थन में खुलकर आए रूस-चीन, होर्मुज को खोलने के प्रस्ताव पर किया वीटो

पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच मंगलवार को अमेरिका को झटका लगा है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस और चीन ने उस प्रस्ताव को वीटो कर दिया, जिसका मकसद होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना था। यह प्रस्ताव ऐसे समय में पारित नहीं हो सका। सुरक्षा परिषद के 15 में से 11 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। पाकिस्तान और कोलंबिया ने मतदान से दूरी बनाई। जरूरी नौ वोट मिल गए थे। फिर भी प्रस्ताव पारित नहीं हो पाया। रूस और चीन स्थायी सदस्य हैं। उनके पास वीटो शक्ति है। इसी का इस्तेमाल कर प्रस्ताव को रोक दिया गया। शुरुआत में प्रस्ताव में अनुच्छेद 7 शामिल था।

यूएन में बहरीन ने रखा था प्रस्ताव

यह प्रस्ताव बहरीन की तरफ से लाया गया था। बहरीन को उम्मीद थी कि रूस और चीन कम से कम मतदान से दूरी बनाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सुरक्षा परिषद इस मुद्दे पर बंटी हुई नजर आई। रूस और चीन ने वीटो कर साफ कर दिया कि वे ईरान के साथ खड़े हैं। दोनों देशों का कहना है कि प्रस्ताव में ईरान की बहुत कड़ी आलोचना की गई थी। बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल्लतीफ बिन राशिद अल जयानी ने यूएनएससी में कहा कि ईरान को होर्मुजल जलडमरूमध्य बंद करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, यह प्रस्ताव खाड़ी क्षेत्र के इस अहम जलमार्ग के गंभीर हालात को देखते हुए लाया गया है।

कमांडरों की हत्या से नहीं डरेंगे: मुजतबा खामनेई

ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने कहा है कि शीर्ष सैन्य कमांडरों की हत्या से देश की सेना और लड़ाकों का मनोबल नहीं टूटेगा। यह बयान ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) के खुफिया प्रमुख मेजर जनरल माजिद खदेमी की सोमवार को हुई हत्या के बाद आया है। खामेनेई ने कहा कि खदेमी ने सुरक्षा, खुफिया और रक्षा के क्षेत्र में कई दशकों सेवा दी। उन्होंने अपने लिखित बयान में कहा कि ईरान के लड़ाके और सेना एकजुट हैं, जिन्हें आतंकवाद या अपराध जैसी घटनाएं कमजोर नहीं कर सकतीं।

इजराइल के रासायनिक संयंत्रों पर भी ईरानी सेना का हमला

इजराइल के शहर पेता टिकवा पर ईरान का हमला

ईरानी सेना का कहना है कि उसके हमले के कारण अमेरिकी जहाजों को हिंद महासागर में पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स ने उत्तरी और दक्षिणी तेल अवीव के प्रमुख स्थलों को निशाना बनाया। हाइफा के रणनीतिक केंद्रों और बीर शेवा के रासायनिक संयंत्रों पर भी हमला किया गया। आईआरजीसी के मुताबिक सेना ने पेता टिकवा में इजराइली सैनिकों की एक टुकड़ी पर भी बैलिस्टिक मिसाइलों से सटीक हमला किए जाने का दावा किया।

इजराइली जहाज पर ईरान का क्रूज मिसाइल से हमला

आईआरजीसी के खातम अल-अंबिया केंद्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फाघारी ने दावा किया कि इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) नौसेना बलों ने इजराइली कंटेनर जहाज एसडीएन 7 पर क्रूज मिसाइल से हमला किया। इस हमले से जहाज में बड़ी आग लग गई और वह नष्ट हो गया। अमेरिकी हमलावर जहाज एलएचए-7 भी दोनों पक्षों के बीच हुई भारी गोलाबारी की चपेट में आया।

भारतीय दूतावास ने दी सलाह

ईरान में मौजूद भारतीयों को लेकर भारतीय दूतावास ने एक एडवाइजरी जारी की है और उन्हें निर्देश दिए हैं कि वे जहां हैं, वहीं रहें। भारतीय दूतावास की तरफ से यह भी कहा गया कि अगले 48 घंटे के लिए लोग पावर प्लांट्स बड़ी इमारतों, सैन्य अड्डों से आदि से दूर चले जाएं और हो सके तो बहुमंजिला इमारतों के ऊपरी तलों पर बिल्कुल न जाएं।

जंग में ईरान के 130 से ज्यादा एयर डिफेंस सिस्टम तबाह: इजराइल

इजराइल की सेना ने दावा किया है कि उसने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम पर हवाई हमले किए हैं। सेना के अनुसार, युद्ध के दौरान अब तक ईरान के 130 से ज्यादा एयर डिफेंस सिस्टम को नष्ट कर दिया गया है। जारी किए गए वीडियो में इन हमलों की झलक दिखाई गई है, जिसमें विभिन्न सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए दिखाया गया है।

ईरानी क्लस्टर बम से इजराइल में नुकसान

इजराइल में ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल से गिराए गए क्लस्टर सबम्यूनिशन (छोटे बम) के कारण नुकसान होने की खबर है। राहत और बचाव टीमों के अनुसार, रोश हाअयिन, रमत हाशरोन और आसपास के इलाकों में इन छोटे बमों के गिरने के स्थानों पर टीमें काम कर रही हैं।

इजराइल ने किया शिराज पेट्रोकेमिकल ठिकाने पर हवाई हमले का दावा

इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसने दक्षिण-पश्चिमी ईरान के शिराज में एक और पेट्रोकेमिकल परिसर पर हमला किया है। एक बयान में सेना ने कहा कि इस पेट्रोकेमिकल परिसर में ईरानी शासन के सशस्त्र बलों के लिए नाइट्रिक एसिड का उत्पादन किया जाता था। इजराइली सेना ने दावा किया कि यह परिसर ईरान में विस्फोटकों के लिए महत्वपूर्ण रासायनिक घटकों और बैलिस्टिक मिसाइलों के विकास के लिए सामग्री का उत्पादन करने वाले आखिरी बचे परिसरों में से एक था।

इजराइल का ईरान में रेलवे पुल पर हमला, 2 की मौत, 3 अन्य घायल

ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, मंगलवार को ईरान के काशान शहर के पास यहयाबाद रेलवे पुल पर अमेरिका-इजराइल के हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। इजराइल ने ईरान में लोगों को ट्रेन से सफर न करने की चेतावनी जारी की थी। इसमें कहा गया है कि अगले 12 घंटे तक ट्रेन का इस्तेमाल न करें।

ईरान ने यूनेस्को को लिखा खत

रेलवे सिस्टम पर हमला रोकने की अपील की

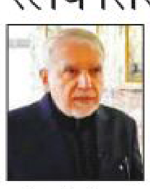

ईरान ने यूनेस्को से ईरान के रेल सिस्टम को उड़ाने की इजरायल की धमकी की आलोचना करने की अपील की है। ईरान ने यूनेस्को को इस संबंध में पत्र लिखा है। ईरान के 1,394 किलोमीटर लंबे ट्रांस-ईरानी रेलवे को यूनेस्को ने 2021 में विश्व धरोहर के तौर पर मान्यता दी है। ईरान के सांस्कृतिक विरासत मंत्री रेजा सलीही अमीरी ने यूनेस्को के महानिदेशक को एक आधिकारिक चिट्ठी भेजी है, जिसमें यूएन एजेंसी से देश के रेलवे सिस्टम पर हमले की इजरायल की धमकी की निंदा करने और इस पर रोक लगाने की अपील की है।

युद्ध बढ़ाने से शांति नहीं आएगी: कोस्टा

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने चेतावनी दी है कि नागरिक इलाकों पर हमले करने से शांति नहीं मिलेगी। उनका कहना है कि केवल कूटनीति और बातचीत ही संघर्ष को खत्म करने का सही तरीका है।

अमेरिका ने बहरीन से अपने 1500 नाविकों को निकाला

ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमले के खतरे के बाद अमेरिका ने बहरीन से अपने करीब 1500 नाविकों को वापस बुला लिया है। बहरीन में अमेरिका की नेवी का पांचवी फ्लीट मौजूद है, जो पूरे मिडिल ईस्ट में समुद्री ऑपरेशन संभालती है।

इजराइल पर पिंक कलर की मिसाइल दागी

एक ईरानी लड़की ने सेना के एयरोस्पेस कमांडर से पिंक कलर की मिसाइल इजराइल पर दागने का अनुरोध किया था। आईआरजीसी ने इसके जवाब में एक पिंक कलर की मिसाइल की तस्वीर जारी की, जिस पर फारसी में लिखा था- एक क्रांतिकारी छोटी बच्ची के अनुरोध के जवाब में।

खबर संक्षेप

आज से तीन दिवसीय यूएस दौरे पर मिसरी

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिसरी 8 से 10 अप्रैल 2026 तक वाशिंगटन डीसी, संयुक्त राज्य अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। इस यात्रा से भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों के पूरे दायरे की समीक्षा करने और प्रमुख क्षेत्रों में चल रहे सहयोग को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। इस दौरान विदेश सचिव अमेरिका प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे।

2 पाकिस्तानी आतंकियों समेत 5 गिरफ्तार

श्रीनगर। श्रीनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस ऑपरेशन में दो पाकिस्तानी आतंकियों सहित कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक अभियान के तहत राजस्थान और हरियाणा सहित कई राज्यों में कुल 19 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की।

8 दिन की पुलिस हिरासत में आरोपी सरबजीत

दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में हुए सुरक्षा उल्लंघन मामले में आरोपी सरबजीत सिंह को तीस हजारी कोर्ट ने आठ दिनों के लिए दिल्ली पुलिस की हिरासत में भेज दिया है। यह फैसला कोर्ट ने पुलिस की उस अर्जी पर सुनाया, जिसमें उन्होंने आरोपी से पूछताछ और मामले की तह तक जाने के लिए और अधिक समय मांगा था।

पश्चिम बंगाल के बैरकपुर से राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को ललकार

55 साल पुराना अंजाम मत भूलो, बंगाल पर नजर उठाई तो खुदा जाने कितने टुकड़े होंगे

एजेंसी ⏭ बैरकपुर

पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के भड़काऊ बयान पर तीखा पलटवार किया है। राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को पुरानी यादें ताजा करते हुए कहा कि वे 55 साल पहले के अंजाम को न भूलें जब पाकिस्तान दो हिस्सों में बंट गया था।

उन्होंने साफ लहजे में चेतावनी दी कि अगर इस बार पाकिस्तान ने बंगाल की तरफ आंख उठाकर भी देखा तो खुदा ही जाने उसके कितने टुकड़े होंगे। राजनाथ सिंह ने पाकिस्तानी नेतृत्व को संयम बरतने और इतिहास से सीख लेने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री को इस तरह की भड़काऊ बातें नहीं करनी चाहिए।

इतिहास से सीख ले पाक | **भड़काऊ बातें नहीं करे**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पश्चिम बंगाल की उत्तरी 24 परगना जिले के बैरकपुर में एक जनसभा के दौरान

रक्षा मामलों पर सरकार की नीति स्पष्ट

राजनाथ सिंह ने कहा कि देश का रक्षा मंत्री होने के नाते वह खुद इस मुद्दे पर अपनी बात रख रहे हैं और यह जरूरी नहीं कि हर बात पर प्रधानमंत्री ही बोलें। रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत की सुरक्षा और रक्षा मामलों पर सरकार की नीति पूरी तरह स्पष्ट है। राजनाथ सिंह ने दोटूक शब्दों में कहा कि वह देश के रक्षा मंत्री हैं और रक्षा से जुड़े विषयों पर बोलने के लिए पूरी तरह अधिकृत हैं।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दिल्ली कैंट स्थित बेस अस्पताल में 262वें सेना चिकित्सा कोर स्थापना दिवस समारोह के दौरान प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी क्षेत्र का दौरा करते हुए।

पाक की गलत हरकत का जवाब देंगे

राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान की किसी भी गलत हरकत का जवाब अपूर्व और निर्णायक तरीके से दिया जाएगा। उन्होंने अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का हवाला देते हुए कहा कि भारत की कार्रवाई ने स्पष्ट संदेश दिया था। उस हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया था।

पाक ने कोलकाता पर हमले की दी थी धमकी

दरअसल, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सियालकोट में भारत को लेकर एक विवादित बयान दिया था। आसिफ ने कहा था कि अगर भारत की ओर से कोई भी कार्रवाई होती है तो पाकिस्तान कोलकाता पर हमला करके उसका जवाब देगा।

इस्तांबुल में इजराइली दूतावास पर हमला

तुर्किये पुलिस ने हमलावरों को मार गिराया, दो पुलिसकर्मी भी घायल

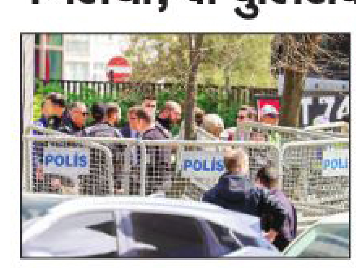

एजेंसी ⏭ इस्तांबुल

तुर्किये के इस्तांबुल में मंगलवार को इजराइली वाणिज्य दूतावास की इमारत के बाहर बंदूकधारियों ने पुलिस पर गोलीबारी की और इस दौरान हुई मुठभेड़ में एक हमलावर मारा गया, जबकि दो को घायल अवस्था में पकड़ लिया गया।

तुर्की के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस्तांबुल के गवर्नर दावुत गुल ने पत्रकारों को बताया कि मुठभेड़ के दौरान दो पुलिस अधिकारी मामूली रूप से घायल हो गए। गृह मंत्री मुस्तफा सिफ्ती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि हमलावर पड़ोसी शहर इज़मित से किराए की कार में इस्तांबुल पहुंचे। हमलावरों में से दो भाई थे, और उनमें से एक का मादक पदार्थ तस्करी से जुड़ा आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

हमलावर पड़ोसी शहर इजमित से किराए की कार में पहुंचे

मामले की जांच शुरू

गृह मंत्री मुस्तफा सिफ्ती ने किसी संगठन का नाम लिए बिना कहा कि हमलावरों का संबंध 'धर्म का दुरुपयोग करने वाले' एक समूह से था। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ने अतीत में तुर्किये में घातक हमले किए हैं। यह वाणिज्य दूतावास इस्तांबुल के बेसिकतास इलाके में गगनचुंबी इमारत में स्थित है। दूतावास पिछले दो साल से बंद था। अधिकारियों ने बताया कि तुर्किये स्थित इजराइली दूतावासों में इस समय कोई भी इजराइली राजनयिक मौजूद नहीं है। गाजा युद्ध के बाद, सुरक्षा चिंताओं और तुर्किये के साथ बिगड़ते संबंधों के चलते इजराइल ने अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया था। तुर्किये के न्याय मंत्री अकिन गुरलेक ने कहा कि जांच शुरू कर दी गई है। इजराइल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि मामले की जांच जारी है। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि दूतावास इस समय खाली है।

विकास परियोजनाओं और स्वास्थ्य सहयोग पर की चर्चा

जयशंकर से मिले दुनिया के 8वें सबसे छोटे देश के विदेश मंत्री

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दुनिया के 10 सबसे छोटे देशों में से एक और छोटे से द्वि द्वीपीय देश सेंट किट्स एंड नेविस के विदेश मंत्री डॉ. डेन्जिल एल. डगलस आए हुए हैं। उन्होंने मंगलवार को अपने भारतीय समकक्ष डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात की। जयशंकर ने उनका स्वागत किया और कहा कि उन्होंने विकास सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। सेंट किट्स एंड नेविस विश्व का सबसे छोटा संप्रभु संघ है, जो 1983 में ब्रिटिश हुकूमत से आजाद हुआ। जयशंकर ने 'एक्स' पर मुलाकात की फोटो साझा करते हुए लिखा कि आज सेंट किट्स एंड नेविस के

विदेश मामलों, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, उद्योग, वाणिज्य और उपभोक्ता मामलों, आर्थिक विकास और निवेश मंत्री डॉ. डेनजिल एल. डगलस की मेजबानी करके मुझे बेहद खुशी हुई। उन्होंने बताया कि हमने विकास परियोजनाओं, स्वास्थ्य सहयोग, डिजिटल क्षमताओं और आपदा राहत पर चर्चा की। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर हुए विचारों के आदान-प्रदान की सराहना की।

आज हैदराबाद हाउस में विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर के साथ होगी बैठक

आज से भारत के तीन दिवसीय दौरे पर बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ. रहमान

⏭ नई दिल्ली

वर्ष 2024 में पूर्व पीएम शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से संबंधों में बने हुए तनाव के बीच मंगलवार से बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान की तीन दिवसीय (7 से 9 अप्रैल तक) भारत यात्रा की शुरुआत हो गई है।

जिसका मुख्य उद्देश्य बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान की आगामी समय में की जाने वाली भारत की संभावित यात्रा से जुड़े एजेंडे को अंतिम रूप देने के अलावा मौजूदा दौर में दोनों देशों के संबंधों में आई तल्खी को दूर करते हुए उन्हें पुनः संतुलन के साथ मजबूत बनाना है। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी है।

संबंधों में तनाव के बीच...

बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान की आगामी समय में भारत की संभावित यात्रा से पूर्व एजेंडे को देंगे अंतिम रूप

मजबूत होगी साझेदारी

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि आज नई दिल्ली पहुंचने पर बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान का हार्दिक स्वागत किया गया। दोनों देशों के बीच घनिष्ठ और ऐतिहासिक संबंध हैं। जिनकी नींव मजबूत जन-संबंधों पर टिकी हुई है। डॉ. रहमान की यह यात्रा भारत, बांग्लादेश साझेदारी को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी।

नदी जल बंटवारे और सीमा विवाद पर मंथन होगा

डॉ. रहमान की बुधवार को हैदराबाद हाउस में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के साथ एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक होगी। जिसमें दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हुए तमाम जरूरी पहलुओं के साथ-साथ वर्तमान समय में चुनौतीपूर्ण बने हुए क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों (पश्चिम-एशिया युद्ध से ऊर्जा सुरक्षा पर आया संकट) पर चर्चा किए जाने की संभावना है। दोनों नेताओं की वार्ता में भारत और बांग्लादेश के बीच नदी जल बंटवारे (तीस्ता नदी से जुड़ा मामला) और सीमा विवाद जैसे मसलों पर भी मंथन किया जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री गोयल और पुरी, एनएसए डोभाल से भी मिलेंगे रहमान

दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के अलावा 8 अप्रैल को ही नई दिल्ली में बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ. रहमान की कुछ और बैठकें भी होंगी। जिनमें वह वाणिज्य भवन में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और 6 अकबर रोड पर केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात करेंगे। डॉ. रहमान की भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ भी मुलाकात हो सकती है। इन तमाम बैठकों के बाद बांग्लादेश के विदेश मंत्री की यह भारत यात्रा समाप्त हो जाएगी और वह 9 अप्रैल को मॉरीशस सरकार और इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित किए जा रहे हिंद महासागर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मॉरीशस रवाना हो जाएंगे।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com